1 प्रार्थना

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।

देश के घर और देश के घाट
देश के बन औ देश के बाट
सरल बनें प्रभु, सरल बनें।

देश के तन औ देश के मन
देश के घर के भाई-बहन
विमल बनें प्रभु, विमल बनें।

देश की इच्छा, देश की आशा
काम देश का, देश की भाषा
एक बनें प्रभु, एक बनें।

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बनें प्रभु, सरस बनें।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

© BSTBPC
WEBCOPY: NOT TO BE PUBLISHED

शिक्षक संकेत : बच्चों को यह प्रार्थना लयपूर्वक गाने का अभ्यास कराएँ ।

शब्दार्थ

सरस		रसदार , मीठा	**प्रभु**		भगवान
बन	-	जंगल	**औ**	-	और
बाट	-	रास्ता	**सरल**	-	आसान
तन		शरीर	**विमल**		साफ

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें –

(क) आपके गाँव की मिट्टी का रंग कैसा है ?

....

....

(ख) आपके यहाँ की मिट्टी में कौन कौन सी फसलें उगाई जाती हैं ?

....

....

(ग) आपके घर में मिट्टी से बनी कौन कौन सी चीजें काम में लाई जाती हैं?

....

....

2. पाठ की बात –

(क) प्रभु से किन किन चीजों को सरल बनाने की प्रार्थना की गई है ?

....

....

(ख) प्रभु से किन किन चीजों को विमल बनाने की प्रार्थना की गई है ?

....

....

(ग) प्रभु से किन किन चीजों को एक बनाने की प्रार्थना की गई है ?

....

....

(घ) प्रभु से इन्हें एक बनाने की प्रार्थना क्यों की गई है ?

....

....

3. यहाँ कविता की जिन पंक्तियों का अर्थ दिया जा रहा है, उन्हें लिखिए-

(क) हे प्रभु! मेरे देश के घर, यहाँ की नदियों के किनारे, यहाँ के वन और यहाँ के रास्ते ऐसे सुगम बनें कि सभी आसानी से वहाँ आ-जा सकें।

....

....

(ख) हे प्रभु! सभी देशवासी अपने शरीर और मन से स्वच्छ एवं निर्मल बनें। मेरे देश के सभी भाई-बहन किसी भी प्रकार के छल-कपट से दूर रहें।

....

....

4. कविता में आए एक जैसी आवाज वाले शब्दों के जोड़े बनाएँ -

जैसे जल - फल

.... - ....

.... - ....

.... - ....

.... - ....

.... - ....

5. रिक्त स्थानों को भरें -

(क) देश के .... और .... के घाट

देश के .... औ देश के ....

सरल बनें प्रभु, सरल बनें।

(ख) देश की ...., देश की आशा

.... देश का, देश की ....

.... बनें प्रभु, एक बनें।

6. आपके विद्यालय या घर में कई प्रार्थनाएँ की जाती होंगी। उनमें से जो आपको याद हो, उसकी चार पंक्तियाँ लिखें-

....

....

....

....

7. अपने देश के बारे में पाँच वाक्य लिखें -

....

....

....

....

....

2 प्रतीक्षा

एक बार भगवान बुद्ध अपने शिष्यों के साथ राजगीर जा रहे थे। रास्ता काफी लम्बा और पथरीला था। रास्ते में भगवान बुद्ध को प्यास लगी। वे अपने शिष्यों के साथ एक वटवृक्ष की छाया में बैठकर विश्राम करने लगे। एक शिष्य आनंद पास के पहाड़ी झरने से पानी लेने गए। उन्होंने देखा कि झरने के पास से अभी अभी बैलगाड़ियाँ गुजरी हैं, और जल गंदला हो गया है। वे लौट आए और बुद्ध से बोले ''मैं पीछे छूट गई नदी पर जल लेने जाता हूँ। इस झरने का पानी बैलगाड़ियों के कारण गंदला हो गया है।'' किन्तु भगवान बुद्ध ने आनंद को वापस उसी झरने पर भेजा। तब भी पानी साफ नहीं हुआ था। आनंद लौट आए ऐसा तीन बार हुआ। चौथी बार जाने पर आनंद हैरान रह गए। मिट्टी व सड़े गले पत्ते नीचे बैठ गए थे। पानी

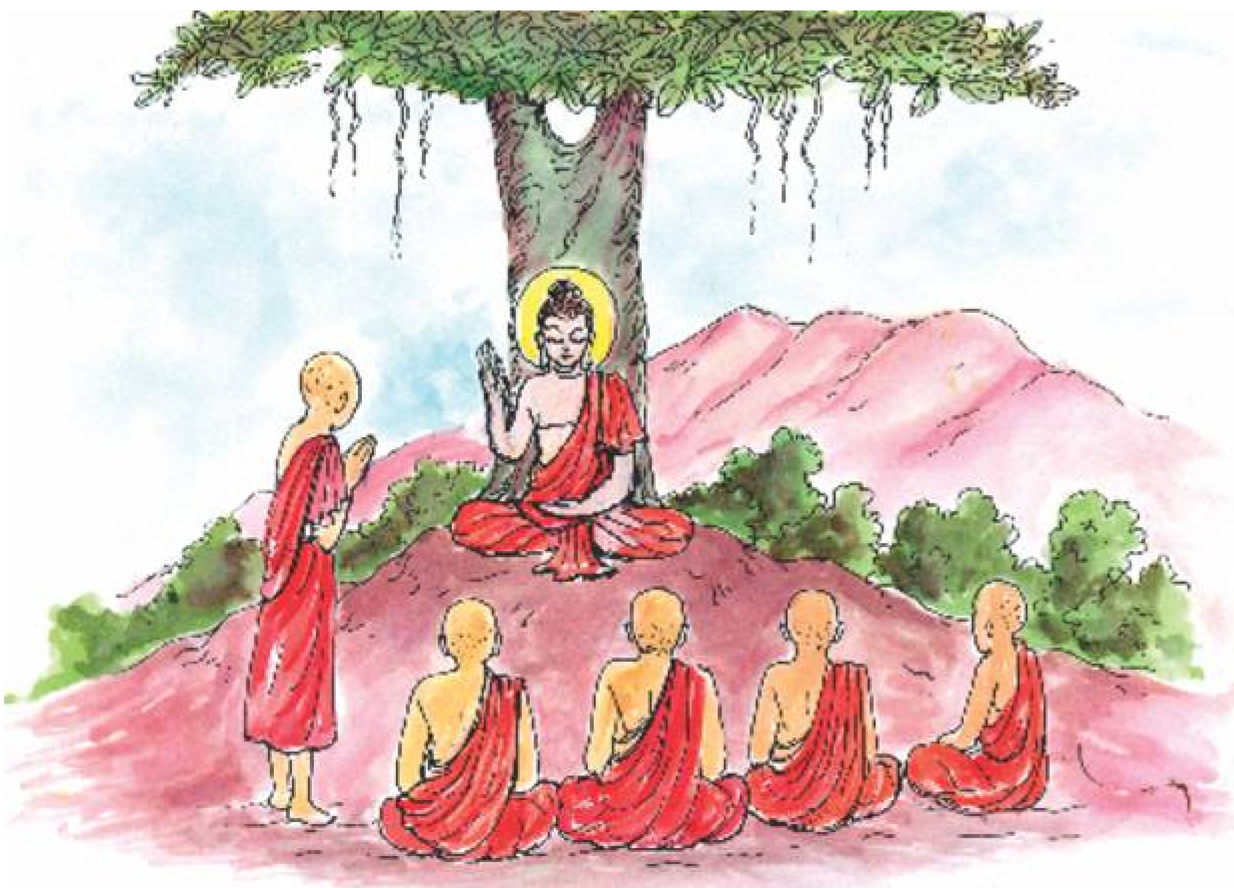

आईने की भाँति चमक रहा था। वे पानी लेकर लौट आए।

भगवान बुद्ध बोले- "आनंद, हमारे जीवन के जल को भी बुरे विचारों की बैलगाड़ियाँ रोज-रोज गंदला कर देती हैं और हम बुरे काम करने को तत्पर हो जाते हैं। यदि हम मन की झील के शांत होने तक थोड़ी-सी प्रतीक्षा कर लें, तो सब कुछ स्वच्छ हो जाता है; उसी झरने की तरह।"

शिक्षक संकेत : अन्य महापुरुषों के भी प्रेरक-प्रसंग बच्चों को सुनाएँ ।

शब्दार्थ

वटवृक्ष	-	बरगद का पेड़	**विश्राम**	-	आराम
शिष्य		चेला, छात्र	**गंदला**		गंदा
प्रतीक्षा	-	इन्तजार	**स्वच्छ**	-	साफ

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) क्या आपने किसी साधु-संत को देखा है? उनके बारे में बताएँ।

....

....

(ख) कोई ऐसी घटना जिससे आपको सीख मिली हो, बताएँ।

....

....

2. अपनी समझ से बताएँ –

(क) इस कहानी का शीर्षक 'प्रतीक्षा' है। सोचिए इसके और क्या शीर्षक हो सकते हैं?

....

....

(ख) आपको प्रतीक्षा करना कैसा लगता है?

....

....

(ग) दैनिक जीवन में आप किसकी प्रतीक्षा करते हैं ?

....

....

....

3. पाठ से बताएँ –

(क) आनन्द कहाँ गए थे और क्यों ?

....

....

(ख) झरने का पानी गंदला कैसे हो गया था ?

....

....

(ग) अन्तिम बार जब आनन्द झरने पर गए तो उन्होंने वहाँ क्या देखा?

....

....

(घ) आनन्द कुल कितनी बार उस झरने पर गए ?

....

....

4. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और प्रत्येक वाक्य के लिए खाली खानों में लिखें कि यह वाक्य किसने कहा , किससे कहा और क्यों कहा-

(क) मैं पीछे छूट गई नदी पर जल लेने जाता हूँ।

(ख) यदि हम मन की झील के शान्त होने तक थोड़ी-सी प्रतीक्षा कर लें, तो सब कुछ स्वच्छ हो जाता है।

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा	क्यों कहा
(क)			
(ख)			

5. इनके अर्थ बताएँ-

वटवृक्ष - ....

विश्राम - ....

गंदला - ....

प्रतीक्षा - ....

स्वच्छ - ....

6. इनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बनाएँ-

पास	-	....	लम्बा	-	....
छाया	-	....	गंदला	-	....
नीचे	-	....	बुरा	-	....

7. खाली स्थानों को भरें -

(क) महात्मा बुद्ध अपने शिष्यों के साथ .... जा रहे थे । (राजगीर, गया)

(ख) आनन्द .... से पानी लाने गए (झरने, नदी)

(ग) झरने का पानी .... से गंदला हो गया था । (बैलगाड़ियों, मोटरगाड़ियों)

(घ) चौथी बार जाने पर आनन्द .... रह गये । (खड़े, हैरान)

(ङ) पानी .... की भाँति चमक रहा था । (मोती, आईने)

8. इस पाठ में बैलगाड़ी की चर्चा है। आप और किन-किन सवारियों के नाम जानते हैं ?

....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

9. इस पाठ में कुछ नाम आए हैं। उन नामों को लिखें तथा बताएँ कि वे क्या हैं ?

नाम	-	क्या हैं ?
आनन्द	-	शिष्य का नाम
....	-	....
....	-	....
....	-	....
....	-	....

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। ऊपर जो नाम आपने लिखा है, वे 'संज्ञा' के उदाहरण हो सकते हैं।

10. शिष्य आनन्द आपको कैसे लगे? उनकी जगह आप होते तो क्या करते ?

....

....

....

....

3 मेरा गाँव

आना मेरे गाँव में।
नदी किनारे गाँव है मेरा
बैठ के आना नाव में।
गाड़ी-मोटर भी चलती हैं
अब पूरी रफ्तार में।
चुन्नू, मुन्नू, मुनिया खेलें
अमराई की छाँव में।
सभी लोग मिलकर रहते हैं
रहें नहीं अलगाव में।
यहाँ न कोई हाट, सिनेमा
घूमें खेत-बगान में।
जब जाते हैं खेत घूमने
मिट्टी लगती पाँव में।
भीड़-भाड़ औ शोर-शराबा
होता कहीं न गाँव में।
मचती उस दिन धमाचौकड़ी
मेला हो जब गाँव में।
जब भी लगे गाँव में मेला
आना मेरे गाँव में।
आना मेरे गाँव में साथी
आना प्यारे गाँव में!

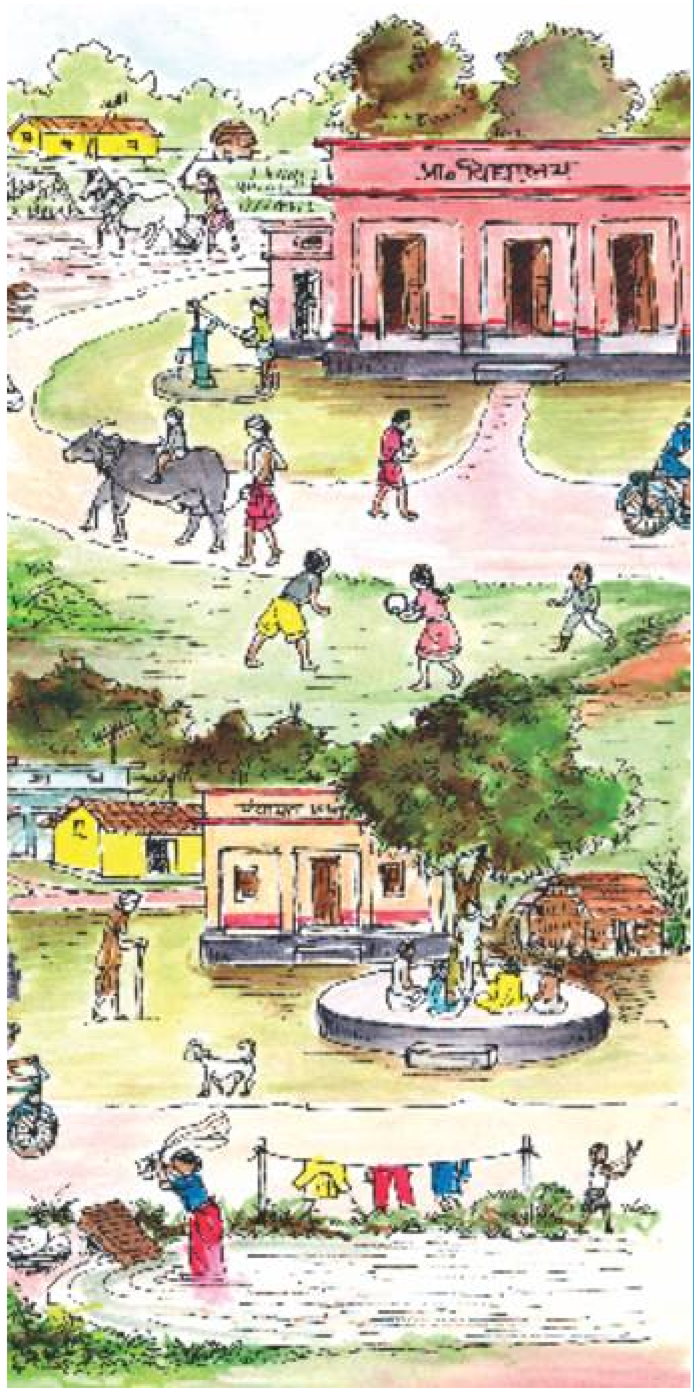

–पाठ्यपुस्तक विकास समिति

शब्दार्थ

अमराई -	आम का बगीचा	**अलगाव**	- अलग होना
पड़ाव -	ठहरने का स्थान	**धमाचौकड़ी**	- ऊधम मचाना

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आपके गाँव का क्या नाम है?

....

(ख) आपको अपने गाँव में क्या अच्छा लगता है?

....

(ग) अपने गाँव या शहर के आसपास की नदी, तालाब या झील के नाम बताएँ-

....

2. पाठ में वर्णित गाँव के बारे में नीचे कुछ बातें लिखी गई हैं। उनमें कुछ सही हैं तथा कुछ गलत। उन्हें पढ़कर सामने दिए गए कोष्ठक में सही या गलत लिखें-

(क) गाँव तक सड़क बनी हुई है। ( )

(ख) गाँव नदी किनारे है ( )

(ग) गाँव में सिनेमा हॉल है। ( )

(घ) गाँव में बगान नहीं मिलता है। ( )

(ङ) गाँव में मेला भी लगता है। ( )

3. एक जैसे अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए-

पाँव	बगीचा
बगान	छाया
छाँव	ठहराव
पड़ाव	पैर

4. दिए गए शब्दों के आगे समान ध्वनि वाले शब्द लिखिए-

(क) नाव - ....

(ख) काम - ....

(ग) शहर - ....

(घ) चल - ....

(ङ) जब - ....

(च) आना - ....

5. अपने दोस्तों के नाम बताएँ -

....

....

....

आपके दोस्तों के नाम भी संज्ञा के ही उदाहरण हैं, किन्तु जब आप इनमें से कोई एक नाम लेते हैं तो कोई एक खास दोस्त ही आता है आपके सभी दोस्त नहीं इसी प्रकार गाँव, शहर, प्रान्त व देश के नाम से भी उस खास स्थान का बोध होता है अत: जिस नाम से किसी विशेष व्यक्ति या स्थान का बोध होता हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे राम, पटना, रहीम, बिहार, भारत, इत्यादि।

6. कौन-सा पेड़ आपको अच्छा लगता है और क्यों ?

....

7. अपने शिक्षक एवं बड़े बुजुर्गों से पूछकर पता करें कि गाँवों में पहले के समय में किसी काम के लिए क्या क्या साधन थे और अभी के समय में क्या क्या साधन हैं?

काम	पहले के समय	अभी के समय
खेती के काम के लिए		
पानी निकलने के लिए		
आने जाने के लिए		
रहने के लिए		

4 बब्बन बंदर

गब्बर शेर जंगल का राजा था। एक दिन उसने जंगल के सारे बच्चों को बुलाकर कहा ''आज से तुम सब स्कूल जाना शुरू करो। मैं देखूँगा कि कौन-सा बच्चा स्कूल नहीं जाता। रोज आनेवाले बच्चे को मैं इनाम दूँगा।''

स्कूल खुल गए और लल्ली लोमड़ी पढ़ाने लगी। हाथी, भालू, हिरण और बंदर के बच्चे पढ़ने आ पहुँचे। बच्चों को स्कूल बहुत अच्छा लगा। लल्ली लोमड़ी पढ़ाती हुई नाचती और गाती तो बच्चे भी नाचते और गाते। वह पढ़ाती तो बच्चे मन लगाकर पढ़ते।

बच्चे खुशी-खुशी स्कूल आते थे, लेकिन बन्दर के एक बच्चे, बब्बन को स्कूल आना अच्छा नहीं लगता था। वह तो बस जंगल में इधर-उधर घूमना चाहता था।

एक दिन लल्ली लोमड़ी के साथ सब बच्चे नाचते-गाते पढ़ रहे थे। तभी बब्बन चुपचाप स्कूल से भाग निकला। किसी ने उसको निकलते हुए नहीं देखा।

अब बब्बन जंगल में घूमने लगा। कभी वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूद जाता, तो कभी पेड़ की डाल पकड़कर झूलने लगता। लेकिन थोड़ी देर के बाद बब्बन की उछल कूद रुक गयी। उसने गब्बर शेर की आवाज सुनी थी। मारे डर के वह छलांग भरकर एक बेल के पेड़ पर जा बैठा।

बब्बन पेड़ की डालियों के बीच छिप गया, लेकिन उसकी पूँछ नीचे लटक रही थी। गब्बर शेर ने उसे देख लिया। वह गरजकर बोला

''बंदर के बच्चे,
अकल के कच्चे
नीचे उतर ।
मैं तुझे बताता हूँ,
स्कूल से भागा है,
अभी मजा चखाता हूँ।''
बोला बब्बन
शेर से डरते हुए,
बहाना करते हुए।
लोमड़ी का आदेश मान
बेल लेने आ गया।
भागा नहीं कहीं भी
फिर भी पकड़ा गया ।

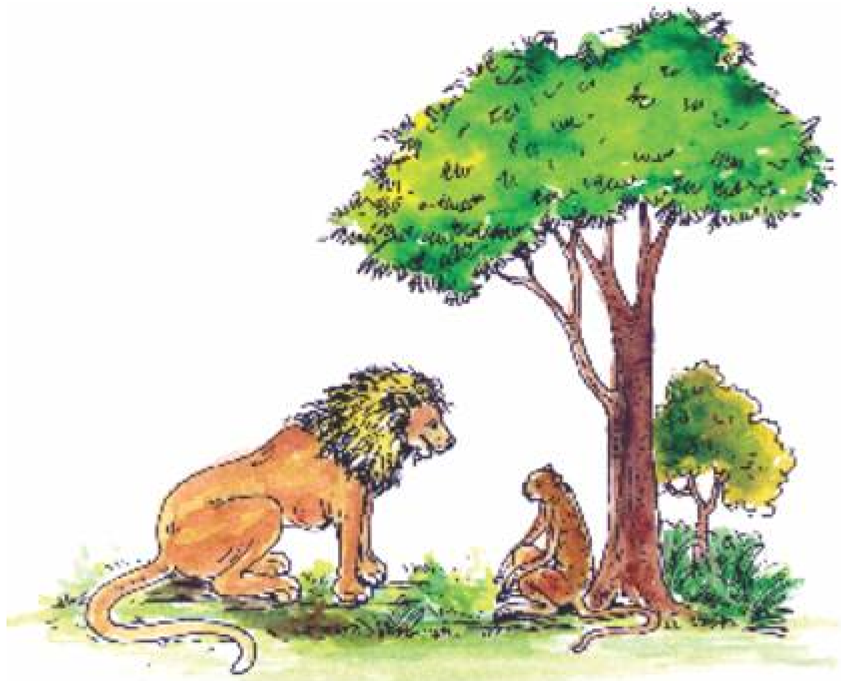

गब्बर शेर जोर से चिल्लाया, ''झूठा। लल्ली लोमड़ी कभी बेल नहीं खाती। तू स्कूल से भागा है। तू बहाना बना रहा है। सच बता क्या बात है?''

बब्बन डर से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब शेर उसे जरूर सजा देगा। लेकिन गब्बर शेर दयालु था। उसने प्यार से कहा, ''नीचे उतरो बच्चे। स्कूल से भागना ठीक नहीं।'' बब्बन डरता-डरता पेड़ से नीचे उतर आया। गब्बर शेर के सामने वह सिर झुकाये खड़ा रहा।

शेर ने कहा- ''बच्चे, स्कूल जाओ और पढ़ो। पढ़-लिखकर तुम समझदार बनोगे। फिर कभी ऐसे भागकर नहीं आना।''

बब्बन कूदता हुआ स्कूल की ओर गया। उस दिन के बाद वह ध्यान लगाकर पढ़ने लगा। थोड़े दिनों के बाद स्कूल की पढ़ाई में वह सबसे अच्छा माना जाने लगा। एक दिन गब्बर शेर ने उसे बुलाया और कहा, ''शाबाश बब्बन! तुम रोज विद्यालय आते हो। यह रहा तुम्हारा इनाम।''

और गब्बर शेर ने उसे एक डफली इनाम में दी।

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें-

(क) जंगल में कौन-कौन सी चीजें होती हैं?

....

(ख) यदि आपको अवसर मिले तो आप जंगल देखना क्यों चाहेंगे?

....

(ग) यदि आपका छोटा भाई या छोटी बहन विद्यालय नहीं जाना चाहे तो आप क्या करेंगे?

....

2. पाठ से बताइए -

(क) जंगल का राजा कौन था?

....

(ख) लल्ली बच्चों को कैसे पढ़ाती थी?

....

(ग) बब्बन स्कूल से भागकर कहाँ गया?

....

(घ) बब्बन ने शेर से क्या बहाना बनाया?

....

(ङ) गब्बर शेर ने बब्बन को क्यों इनाम दिया ?

....

3. पाठ के आधार पर सही वाक्य के सामने (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के सामने (x) चिह्न लगाइए -

(क) लल्ली लोमड़ी पढ़ाती हुई नाचती और गाती । ( )

(ख) बच्चों को स्कूल में पढ़ना बहुत अच्छा लगता । ( )

(ग) बब्बन को स्कूल से भागते हुए सबों ने देख लिया । ( )

(घ) शेर के डाँटने पर भी बब्बन को डर नहीं लगा । ( )

(ङ) शेर के समझाने के बाद बब्बन पुनः स्कूल गया । ( )

4. समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए

आदेश	बुद्धि
पेड़	पुरस्कार
पूँछ	आज्ञा
अक्ल	वृक्ष
इनाम	दुम

5. दिए गए शब्द के सामने उनके समान ध्वनि वाले शब्द लिखिए-

(क) राजा ....

(ख) जाता – ....

(ग) खुल – ....

(घ) बेल ....

6. नीचे दिए गए शब्दों के सामने उनके उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए -

राजा ....

इनाम – ....

ऊपर – ....

सच्चा ....

डरपोक – ....

7. आप कौन–कौन से फल एवं सब्जी के नाम जानते हैं? उनके नाम नीचे दिए गए खानों में लिखें –

फल	सब्जी

8. दोस्तों के साथ मिलकर आप विद्यालय में क्या–क्या करते हैं?

9. जानवर किसी काम को कैसे सीख पाते हैं? इसके बारे में अपने माता–पिता या अन्य लोगों से जानकारी प्राप्त कर लिखें।

10. नियमित रूप से स्कूल जाने के बाद बब्बन को आगे और क्या–क्या लाभ हुआ होगा? कोई पाँच लाभ बताइए।

11. कविता पढ़ें और उसे कहानी की तरह लिखें –

डाल पे उल्टे लटके बच्चे,
तोड़ रहे थे आम वे कच्चे।
लगा पेड़ पर था एक छत्ता,
गिरा टूटकर उस पर पत्ता।

उड़ी मक्खियाँ काली काली,
डर गए बच्चे, छूटी डाली।
बच्चे नीचे गिरे धड़ाम,
रह गए लटके कच्चे आम।

5 खूब मजे हैं मौसम के

खूब मजे हैं मौसम के तो
जो जी चाहे कर सकता है।
जी चाहे तो सरदी लाकर
कुल्फी खूब जमा सकता है।

जी चाहे तो फूल खिलाकर
धरती खूब सजा सकता है।
जी चाहे तो पतझड़ लाकर,
खड़ खड़ राग सुना सकता है।

जी चाहे तो वर्षा लाकर,
फसलें खूब उगा सकता है।
जी चाहे तो गरमी लाकर,
छुट्टी खूब मना सकता है।

शब्दार्थ

पतझड़ – वह मौसम जिसमें पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं।

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें

(क) आप अपनी मर्जी से क्या क्या करना चाहते हैं, लेकिन कर नहीं सकते ?

....

(ख) आपको कौन सा मौसम अच्छा लगता है और क्यों ?

....

(ग) अपने घर को सजाने के लिए आप क्या करते हैं?

....

2. अपनी समझ से बताएँ

(क) मौसम अपनी मर्जी से क्या क्या कर सकता है ?

....

(ख) वर्षा लाकर मौसम क्या क्या काम कर सकता है? किन्हीं चार कामों के बारे में लिखें।

....

(ग) अभी कौन सा मौसम है? इससे पहले कौन स मौसम था और आगे कौन सा मौसम आनेवाला है ?

....

3. पाठ से बताएँ

(क) मौसम धरती को कैसे कैसे सजाता है?

....

(ख) किस मौसम में सबसे अधिक दिनों तक लगातार छुट्टी होती है ?

....

(ग) किस मौसम में फसलें खूब उगती हैं और पेड़ पौधों पर हरियाली छा जाती है ?

....

4. मिलते - जुलते अर्थों वाले शब्दों को मिलाइए-

धरती	फूल
ग्रीष्म	जमीन
पुष्प	जाड़ा
सर्दी	खूब
ज्यादा	बादल
घटा	गर्मी

5. (क) किस मौसम में क्या-क्या उगता है ?

	गर्मी में	सर्दी में
फसल		
सब्जी		
फल		

(ख) किस मौसम में कौन-सा रोग फैलता है ?

गर्मी में	सर्दी में	वर्षा में
....	....	....
....	....	....
....	....	....

6. किस मौसम में क्या क्या ?

	अच्छा लगता है	अच्छा नहीं लगता है
गर्मी में	....	....
सर्दी में	....	....
वर्षा में	....	....

7. समझकर लिखिए -

सूखे पत्ते करते	खड़-खड़
नदियाँ करतीं	....
झरने करते	....
हवा करती	....

6 जंगल में सभा

जंगल में उस दिन बहुत चहल-पहल थी। जंगल के सभी जानवरों की सभा रखी गई थी। बरगद के नीचे हाथी, शेर, लोमड़ी, सियार, भालू, बन्दर, हिरण, खरगोश, अजगर आदि सभी आ चुके थे। सबकी सहमति से हाथी को सभापति चुना गया। सभा शुरू हुई। सबने अपनी-अपनी परेशानियाँ बताईं और मिलकर उनका हल ढूँढ़ने की कोशिश करने लगे।

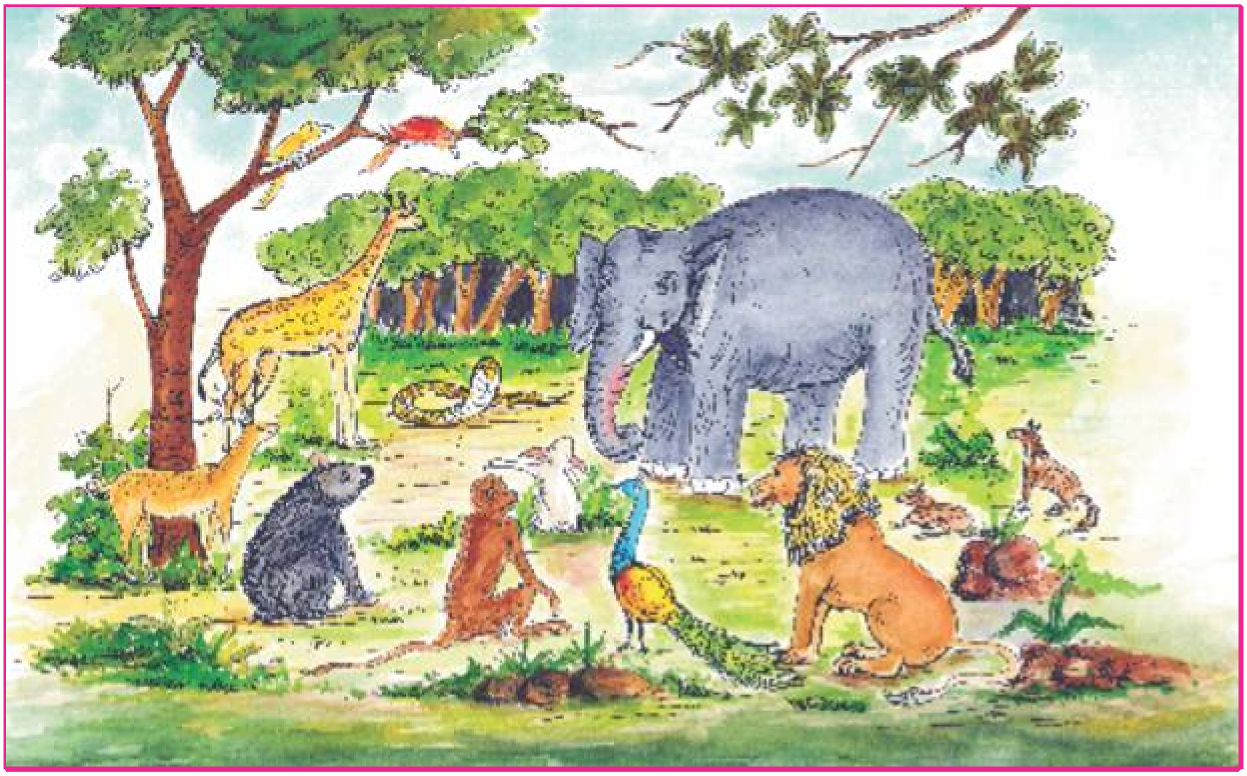

बारी खरगोश की थी। वह बोला ''मेरा तो जीना कठिन हो गया है। भालू अपने घर का कचरा मेरे बिल के पास फेंक देता है। जहाँ-तहाँ तो सभी थूकते रहते हैं। बंदर भी केला खा कर छिलका रास्ते में फेंक देता है। तालाब का पानी भी गंदा हो रहा है। मैं तो यह जंगल छोड़कर चला जाऊँगा।''

हाथी ने भालू की ओर देखा। डर कर भालू बोला- ''सभी जानवर ऐसा ही करते हैं, तो मैंने क्या गलती की?'' हाथी बोला, ''हाँ, गलती तो हम सभी ने की है।'' तभी अचानक आँधी चलने लगी और बारिश शुरू हो गई। सभा अगले दिन तक के लिए रोक दी गई।

अगले दिन की सभा में जानवरों के बीच क्या चर्चा हुई होगी? अपने दोस्तों के साथ चर्चा करें।

शिक्षक संकेत : छात्रों को चर्चा के लिए प्रेरित करें जिससे उनमें भाषाई सृजनशीलता के साथ साथ पाठ के उद्देश्यों को समझने की क्षमता का विकास हो ।

शब्दार्थ

सहमति	–	मानना	**सभापति**	–	अध्यक्ष
परेशानी	–	मुसीबत	**चर्चा**	–	बातचीत
कचरा	–	घर का बेकार सामान और गंदगी			

अभ्यास

1. अपने बारे में बताएँ –

(क) आप अपनी साफ–सफाई के लिए किन–किन बातों पर ध्यान देते हैं ?

....

(ख) आप अपने घर की साफ–सफाई में क्या सहयोग करते हैं ?

....

2. पाठ से बताएँ –

(क) खरगोश जंगल छोड़कर जाने की बात क्यों कह रहा था ?

....

(ख) सभा का सभापति कौन था ?

....

(ग) सभा क्यों की गई?

....

(घ) सभा अचानक क्यों रोक दी गई ?

....

3. दिए गए शब्दों के सामने मिलते–जुलते (समान ध्वनि वाले) शब्द लिखें –

केला – ....

जंगल – ....

जीना ....

पानी – ....
भालू ....
शेर – ....

4. सात जंगली और सात पालतू जानवरों के नाम लिखें –

जंगली जानवर	पालतू जानवर
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

इन सभी जानवरों के नाम संज्ञा हैं , किन्तु इनमें से किसी एक के कहने पर क्या केवल एक ही जानवर का बोध होता है या उस जाति के सभी जानवरों का? जिस शब्द से किसी जाति विशेष के सभी सदस्यों का बोध होता है उसे जातिवाचक संज्ञा कहा जाता है, जैसे – कुत्ता, शेर आदि

5. ''जंगल में सभा'' – यहाँ 'सभा' शब्द से कई लोगों के समूह का बोध होता है। ऐसे अन्य शब्द ढूँढ़कर लिखें, जिनसे एक से अधिक व्यक्ति, प्राणी या वस्तु का बोध होता है।

....

इन्हें 'समूहवाचक संज्ञा' कहते हैं।

6. अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा वाक्य बनाएँ

(क) मच्छरों से	दुर्गन्ध आती है ।
(ख) पेड़ – पौधों से	गंदगी फैलती है।
(ग) साफ परिवेश से	बीमारी फैलती है।
(घ) खुली नालियों से	शरीर स्वस्थ रहता है।
(ङ) कूड़ेदान में कचरा नहीं डालने से	हवा शुद्ध होती है।

7. साफ सफाई पर चार पंक्तियों की एक कविता बनाकर या ढूँढ़कर लिखें

●●●

7 फुलवारी

रंग बिरंगे फूलों से है,
महक रही यह फुलवारी
मंद पवन के झोंको से है,
झूल रही यह फुलवारी।

जूही, चंपा यहाँ खिले हैं,
महके बेला की क्यारी।
श्वेत गुलाबों, लाल कमल की,
अपनी ही शोभा न्यारी।

नाच दिखाती उड़ें तितलियाँ,
करतीं मीठे रस का पान।
भँवरे भी गुन गुन गुन करके,
यहाँ सुनाते अपना गान ।

अपनी खुशबू, रंग रूप का,
इसे नहीं तनिक अभिमान।
सबके मन को हर्षित कर दें,
समझे इसमें अपना मान।

हम बच्चे भी फूलों जैसे,
खिलें, हँसे और मुस्काएँ।
अपनी भीनी सी सुगंध से,
जग की फुलवारी महकाएँ।

शिक्षक संकेत : छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर कविता की पंक्तियाँ स्पष्ट कीजिए। सभी बच्चों से एक साथ और अलग अलग भी कविता पढ़वाइए।

शब्दार्थ

शोभा	-	सुन्दरता	**न्यारी**	-	अनोखी
तनिक	-	जरा भी	**हर्षित**	-	प्रसन्न/खुश
मान	-	इज्जत	**अभिमान**	-	घमण्ड

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें।

(क) फुलवारी का क्या अर्थ है ?

....

(ख) आपने कभी फुलवारी देखी है ? वहाँ आपने फूल और तितली के अलावे और क्या क्या देखा? बताएँ।

....

(ग) आपको फुलवारी में जाना कैसा लगता है और क्यों ?

....

2. पाठ से बताएँ

(क) फुलवारी किस कारण से इतनी सुगंधित है ?

....

(ख) तितलियाँ यहाँ क्या करती हैं ?

....

(ग) फुलवारी के फूल हमें क्या सीख देते हैं?

....

3. यहाँ कविता की जिन पंक्तियों का अर्थ/भाव दिया जा रहा है, उन्हें कविता से ढूँढ़कर लिखिए

(क) हवा के धीरे धीरे चलने से पूरी फुलवारी झूल रही है।

....

(ख) तितलियाँ उड़ती हुई आती हैं और फूलों के मीठे रस को पीकर चली जाती हैं।

....

(ग) फूलों को अपनी खुशबू और सुन्दरता का जरा भी घमण्ड नहीं है।

....

4. **समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए-**

फुलवारी	हवा
महक	सफेद
पवन	दुनिया
श्वेत	गंध
जग	बगीचा

5. **आपने कौन-कौन से फूल देखे हैं ? उनके नाम और रंग बताएँ-**

फूल का नाम	–	रंग
....	–	....
....	–	....
....	–	....
....	–	....
....	–	....
....	–	....

6. **हमलोग कई कामों के लिए फूलों का उपयोग करते हैं। उनके बारे में लिखें-**

....

7. **इस पहेली में कई सारे फूलों के नाम छिपे हैं । उन्हें ढूँढ़कर घेरा लगाइए और उनके नाम लिखिए।**

च	ग	क	चं	पा	क
मे	ग	ग	जू	ही	नें
ली	गु	ल	मो	ह	र
बे	ला	ली	ग	ज	ग
प	ब	का	रा	गें	दा

चमेली	....	....	....
....	....	....	....

8. **कविता में खाली स्थानों को भरें –**

(क) मंद .... के .... से है।

.... रही यह फुलवारी।

(ख) .... भी गुन-गुन-गुन करके।

यहाँ सुनाते अपना ....।

(ग) सबके .... क .... कर दें,

समझें इसमें अपना ....।

9. **वाक्य पढ़ें और लिखें कि ये कौन हैं ?**

जो पौधों को सींचते हैं – ....

जो इलाज करते हैं – ....

जो कपड़े धोते हैं – ....

जो सबकी डाक / चिट्ठी-पत्री लाते हैं– ....

जो न्यायालय में फैसला करते हैं– ....

जो विद्यालय में बच्चों को पढ़ाते हैं – ....

10. **अपने मनपसन्द फूल का चित्र बनाइए।**

8 रक्षाबंधन

सावन की पूर्णिमा को राखी का त्योहार मनाया जाता है। उषा अपनी सहेलियों के साथ राखी लेने बाजार गई है। बाजार में खूब चहल पहल है। दुकानों में चमकीली चमकीली रंग बिरंगी राखियाँ सजी हैं। दुकानदार व्यस्त हैं। ग्राहकों को तत्परता से राखियाँ दिखा रहे हैं। उषा और उसकी सहेलियों ने भी रंग बिरंगी राखियाँ खरीदीं। वे अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बाँधेंगी। भाई भी उन्हें कुछ उपहार देंगे।

उषा के भाई जमशेदपुर से आनेवाले हैं। जब कभी सड़क पर कुछ आवाज होती, उषा दौड़कर दरवाजे पर जाती और सड़क की ओर देखती। भाई को न आते देख, वह निराश होकर लौट आती। उषा सोचने लगी, ''क्या बात है, भैया अभी तक क्यों नहीं आए? आज मैं किसको राखी बाँधूँगी ?''

उषा को उदास देखकर माँ ने कहा, ''कोई बात नहीं उषा। पहली गाड़ी निकल गई होगी थोड़ी देर में दूसरी गाड़ी आनेवाली है। प्रभात जरूर आएगा।'' माँ यह कह ही रही थी कि हाथ में अटैची लिए प्रभात भीतर आ गया। भाई को देखकर उषा बहुत खुश हुई।

''अब जल्दी से नहा लीजिए भैया। देखिए, आपने कितनी देर कर दी'' उषा ने प्रभात से कहा।

नहा-धोकर प्रभात ने नए कपड़े पहने। उषा ने भाई के माथे पर तिलक लगाया और कलाई पर राखी बाँधी। फिर उसने भाई को मिठाई खिलाई। प्रभात ने थाली में रुपये रखे और बहन को प्यार किया। उछलती कूदती उषा सहेलियों के साथ खेलने चली गई।

रक्षाबंधन बहुत पुराना त्योहार है। कहते हैं, पुराने समय में जब सैनिक युद्ध में जाते थे, तब बहनें उनके ललाट पर तिलक लगातीं और कलाई पर राखी बाँधती थीं। राखी बाँधकर वे मन ही मन कहतीं, ''यह राखी मेरे भाई को सब संकटों से बचाए।'' राखी बँधवाकर सैनिक अपने देश की और माँ-बहनों की रक्षा का प्रण करते थे।

बहुत समय पहले चित्तौड़ पर एक महिला शासन करती थी। उसका नाम महारानी कर्णावती था। उनके चित्तौड़ राज्य पर एक पड़ोसी राजा ने हमला कर दिया। चित्तौड़ की महारानी कर्णावती अकेली उसका मुकाबला न कर सकी। उसने दिल्ली के बादशाह हुमायूँ को राखी भेजकर सहायता के लिए बुलाया। राखी मिलते ही हुमायूँ सब काम छोड़कर अपनी बहन कर्णावती की सहायता के लिए चल पड़ा।

आज भी रक्षाबंधन के दिन जब बहन अपने भाई को राखी बाँधती है, वह प्रार्थना करती है कि राखी उसके भाई को संकटों से बचाए। भाई बहन से राखी बँधवाता है। इसका अर्थ है कि वह हमेशा बहन की रक्षा करेगा। इसलिए राखी का बंधन, रक्षा का बंधन माना जाता है और इसीलिए इस त्योहार को रक्षाबंधन कहते हैं।

शब्दार्थ

प्रण	–	कसम	**त्योहार**	–	पर्व
तिलक	–	टीका	**अटैची**	–	छोटा बक्सा
युद्ध	–	लड़ाई	**संकट**	–	मुसीबत

अभ्यास

1. अपने बारे में बताएँ–

(क) आप कितने भाई-बहन हैं ?

....

(ख) आपने राखी का त्योहार मनाया तो क्या-क्या किया था ?

....

(ग) आपके घर पर राखी के दिन और कौन-कौन आते हैं–राखी बाँधने या बँधवाने?

....

(घ) राखी के त्योहार की तैयारी आप दोनों भाई-बहन कैसे करते हैं?

....

2. अपनी समझ से बताएँ –

(क) रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें अपने भाई के लिए क्या-क्या खरीदती हैं ?

....

(ख) रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को क्या-क्या उपहार देते हैं?

....

(ग) रक्षाबंधन के अलावा और कौन-कौन से पर्व हैं, जो भाई-बहन से सम्बन्धित हैं?

....

3. पाठ से बताएँ –

(क) रक्षाबंधन का त्योहार कब मनाया जाता है ?

....

(ख) बहन भाई को राखी क्यों बाँधती है ?

....

(ग) भाई को राखी बाँधते समय बहन क्या प्रार्थना करती है ?

....

(घ) बहन से राखी बँधवाते समय भाई क्या प्रण करता है?

....

4. राखी के दिन के लिए जो सही है उसके आगे (√) चिह्न तथा जो गलत है उसके आगे (x) चिह्न लगाएँ-

(क) दीप जलाते हैं और पटाखे चलाते हैं। ( )

(ख) बहन अपने भाई को राखी बाँधती है। ( )

(ग) भाई बहन को तिलक लगाता है। ( )

(घ) बहन भाई को तिलक लगाती है। ( )

(ङ) भाई अपनी बहन को पैसे देता है। ( )

5. उल्टे अर्थ वाले शब्द से मिलाइए -

शत्रु	खरीदना
बेचना	आकाश
धरती	मित्र
जल्दी	कम
अधिक	आलसी
पुराना	धीरे
मेहनती	नया

6. सजाकर सही शब्द बनाइए-

(क) का दा न दु र ....

(ख) घ ई र सो र ....

(ग) म र ज द पु शे ....

(घ) द ह शा बा ....

(ङ) ब मु ला का ....

7. दिए गए शब्दों को वाक्य में प्रयोग कीजिए-

(क) दुकान - ....

(ख) माँ - ....

(ग) गाड़ी - ....

(घ) जरूर - ....

(ङ) सड़क - ....

(च) थाली - ....

8. कुछ त्योहारों के दो-दो नाम होते हैं; उन्हें ढूँढ़कर बताइए-

रक्षाबंधन	-	राखी
दुर्गापूजा	-	....
दीपावली	-	....
सरस्वती पूजा	-	....
जन्माष्टमी	-	....

9. लड़का, लड़की तथा शहर के नामों को लिखिए –

	लड़का	लड़की	शहर
नाम जो इस पाठ में हैं –	....	....	....
अन्य नाम जो आप जानते हैं –	....	....	....

नाम जो आपने लिखा या लिखेंगे सभी व्यक्तिवाचक संज्ञा होंगे जबकि लड़का, लड़की और शहर जातिवाचक संज्ञा हैं।

10. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करें–

बाँधने , बाँधती , बँधवाई , बँधवाता , बाँधूँगी

(क) राखी के दिन बहन अपने भाई के राखी .... है।

(ख) आज मुझे राखी .... जाना है।

(ग) यदि भैया न आया तो मैं किसे राखी .... ?

(घ) भाई ने बहन से राखी .... और उसे रुपये दिए।

(ङ) भाई बहन से राखी .... है।

11. पढ़िए, समझिए और लिखिए –

एक सहेली	दो सहेलियाँ	तीन सहेलियाँ
एक राखी	....	....
एक थाली	....	....
एक कुर्सी	....	....
एक बकरी	....	....
एक गिलहरी	....	....

12. अपने मनपसन्द रंग-रूप की राखी का चित्र बनाइए–

9 तिरंगा

यही तिरंगा झंडा अपना,
तीन रंग हैं इसकी शान।
ऊँचा उड़ता रहे गगन में,
हमको है इस पर अभिमान।
केसरिया रंग इसकी शोभा,
वीरों का उत्साह बढ़ाता।
शांति मार्ग पर बढ़ते रहना,
श्वेत रंग सबको सिखलाता।

खुशहाली का रंग हरा है,
मेहनत से खुशहाली आती।
चक्र तेज गति का प्रतीक है,
गति ही मंजिल तक ले जाती।
देश का झंडा हमको प्यारा,
न्यौछावर हैं, इस पर प्राण।
इसकी रक्षा करें हमेशा,
आजादी की यह है शान।

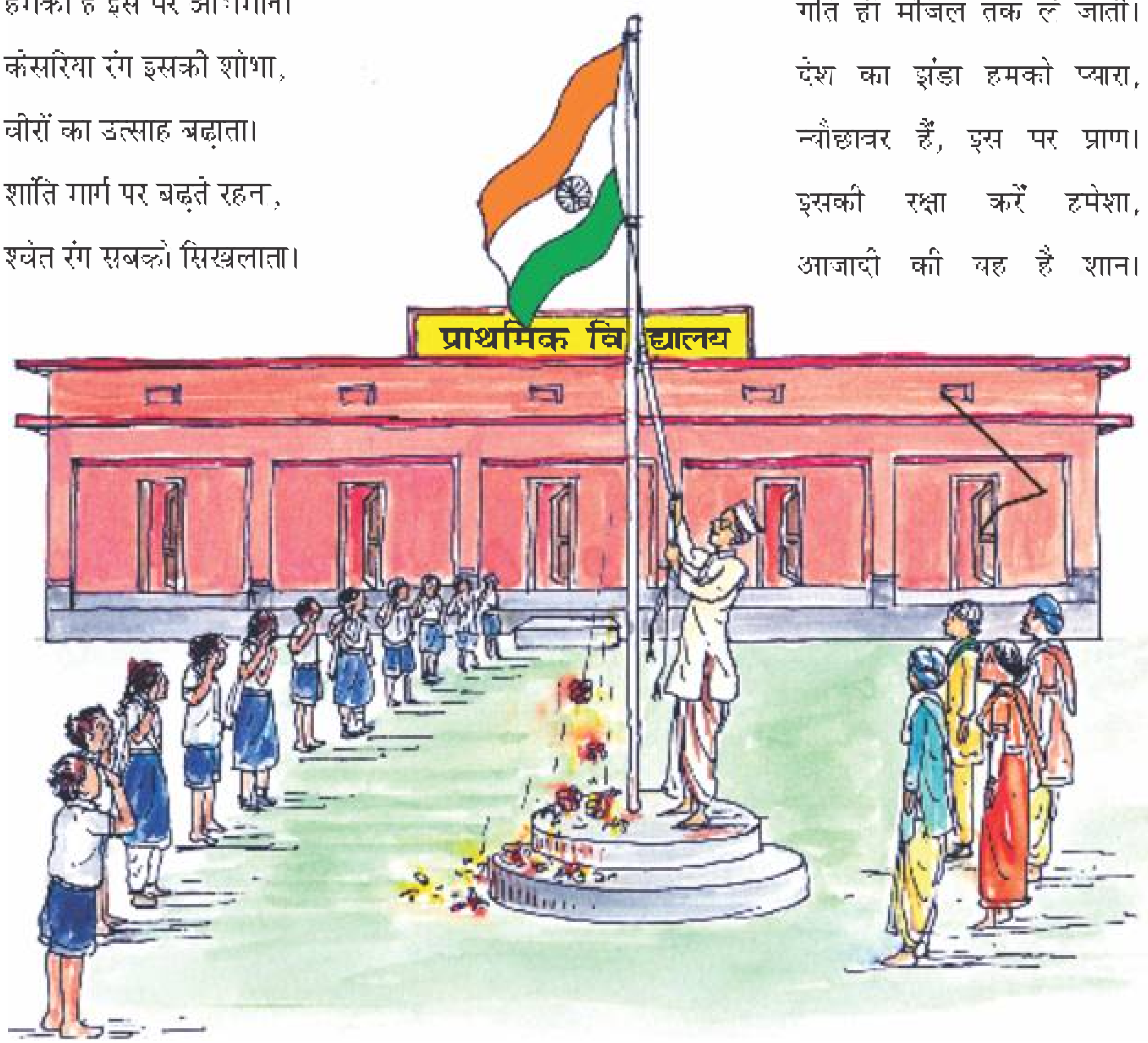

शिक्षक संकेत : राष्ट्रीय ध्वज का महत्त्व समझाएँ। देश की आजादी की घटनाएँ सुनाएँ ।

शब्दार्थ

तिरंगा	तीन रंग का	**उत्साह**	उमंग
शान	मान मर्यादा	**श्वेत**	सफेद
प्रतीक	रूप	**प्रगति**	आगे बढ़ना

अभ्यास

1. अपनी समझ से बताएँ-

(क) हमारे राष्ट्रीय झंडे का क्या नाम है और क्यों?

....

(ख) तिरंगे झंडे के तीनों रंग किन किन चीजों से जुड़े हुए हैं ?

....

2. अपने बारे में बताएँ -

(क) आप प्रायः किस किस दिन झंडा फहराते हैं ?

....

(ख) झंडा फहराते या बनाते समय कौन सा रंग ऊपर रखते हैं ?

....

(ग) आपने झंडे को फहरते हुए कहाँ कहाँ देखा है?

....

3. पाठ की बात -

(क) हमारे राष्ट्रीय झंडे में कितने रंग हैं?

....

(ख) हमारे राष्ट्रीय झंडे में जो अलग अलग रंग है, वे किन बातों के प्रतीक हैं?

....

(ग) हमारे झंडे में जो चक्र है, वह क्या बतलाता है ?

....

4. मुझे मेरे साथी से मिलाइए -

(क) श्वेत — स्वतन्त्रता

(ख) शोभा — उमंग

(ग) चक्र — सफेद

(घ) आजादी — चक्का पहिया

(ङ) उत्साह — सुन्दरता

5. शब्द बनाइए -

(क) अ न मा भि - ....

(ख) या रिं कं स - ....

(ग) खु ली हा श - ....

(घ) ह न मे त - ....

(ङ) ता ला सि ख - ....

6. मुझसे कई शब्द बनते हैं -

सि ख ला ता - खता

- ....

- ....

- ....

7. वाक्य में प्रयोग करें -

(क) तीन - ....

(ख) झंडा - ....

(ग) ऊँचा - ....

(घ) रंग - ....

(ङ) मेहनत - ....

(च) देश - ....

8. **मिलाकर वाक्य पूरा करें -**

(क) तिरंगा झंडा शान से — शांति मार्ग पर चलना सिखलाता है।

(ख) केसरिया रंग — खुशहाली का प्रतीक है।

(ग) श्वेत रंग — वीरों का उत्साह बढ़ाता है।

(घ) हरा रंग — प्रगति का प्रतीक है।

(ङ) चक्र — फहर रहा है।

9. **कविता की पंक्तियाँ पूरी करें -**

(क) यही .... झंडा अपना,

.... रंग है इसकी ....।

(ख) .... रंग इसकी ....

.... का .... बढ़ाता।

(ग) .... का रंग .... है,

.... से .... अती।

10. **तिरंगा झंडा तीन रंगों से बना है। इन रंगों के अलावा और किन-किन रंगों के नाम आप जानते हैं? लिखिए -**

रंगों के नाम -

....

....

किसी वस्तु का रंग उसकी विशेषता बतलाता है। अतः रंग 'विशेषण' के उदाहरण हैं।

11. **विद्यालय में झंडा फहराने के साथ-साथ क्या कोई गीत भी गाए जाते हैं? उस गीत को लिखिए -**

....

....

....

....

....

10 कौवा और साँप

एक बड़े बरगद के नेड़ पर एक कौवे और कौवी ने अपना घोंसला बनाया। वे अपने बाल बच्चों के साथ उस घोंसले में रहने लगे।

एक दिन एक बूढ़े काले साँप ने भी उस बरगद के नीचे अपना बिल बना लिया और उसमें रहने लगा। काले साँप का इतना निकट रहना कौवे कौवी को जरा भी नहीं भाया। पर वे कर भी क्या सकते थे?

कौवी ने अण्डे दिए। कुछ दिनों बाद अण्डों नें से बच्चे निकले। कौवा और कौवी बड़े प्यार से अपने बच्चों को पालने लगे। एक दिन कौवा और कौवी बच्चों के लिए खाना लाने गए हुए थे। काला साँप पेड़ पर चढ़ गया। उसने उनके बच्चों को मारकर खा लिया। कौवा और कौवी जब लौटे और बच्चों को नहीं पाया तो बहुत दुखी हुए। उन्होंने सारे जानवरों और चिड़ियों से पूछा, लेकिन कोई भी नहीं बता सका कि बच्चे कहाँ गायब हो गए हैं। दोनों खूब रोए। फिर दोनों ने तय किया अगली बार बच्चों को अकेला नहीं छोड़ेंगे।

कई महीने बीत गए। कौवी ने फिर अण्डे दिये। अण्डों से बच्चे निकले। इस बार कौवा और कौवी बच्चों की खूब रखवाली करते। एक दाना लाने जाता तो दूसरा बच्चों के पास रहता।

एक दिन कौवी ने देखा कि वही बूढ़ा साँप धीरे धीरे रेंगता हुआ पेड़ पर चढ़ रहा है। वह साँप को भगाने के लिए जोर जोर से काँव काँव करने लगी। लेकिन साँप पर इसका कोई असर नहीं हुआ। वह पेड़ पर चढ़ गया और बच्चों को फिर मारकर खा गया।

कौवी बहुत रोयी। उसके आँसू रुकते ही नहीं थे। उसका रोना-धोना सुनकर बहुत सारे कौवे वहाँ आ पहुँचे। सबने गिलकर साँप पर हगला करना चाहा, पर साँप तो पहले ही अपने बिल गें घुस गया था।

शाग को कौआ लौटा और उसने सुना कि काला साँप फिर बच्चों को खा गया तो वह बहुत दुखी हुआ। सिसकते हुए कौवी ने कहा कि हग लोग इस पेड़ को छोड़कर कहीं और चलते हैं। इस काले साँप के पड़ोस गें रहना ठीक नहीं।

बच्चों के गरने से कौवा गी बहुत दुखी था। उसने कौवी को बहुत सगझाया। पर कौवी ने एक न सुनी। वह काले साँप के पड़ोस गें रहने को राजी न थी।

कौवे ने कहा, ''हग इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं। अपने पुराने घर को छोड़ते हुए गुझको बुरा तो बहुत लगेगा।''

कौवी ने कहा, ''सो तो ठीक है, पर इस दुष्ट साँप से हगें कौन बचाएगा?''

कौवे ने कहा, ''चलो हग साँप को गगाने या गारने की कोई तरकीब सोचें। लोगड़ी गौसी वहीं पास गें

रहती है। वह बहुत चतुर है। चलो उससे बात करें।''

कौवी ने कौवे की बात मान ली। दोनों लोमड़ी के पास गए और उसे सारी बात बताई। वे बोले, ''हमारी मदद करो, मौसी। इस साँप से हमें बचाओ। नहीं तो हमें अपना घर छोड़कर कहीं दूर जाना पड़ेगा।''

लोमड़ी ने कुछ देर सोचकर कौवे से कहा, ''तुम दोनों को अपना घर नहीं छोड़ना चाहिए। तुम दोनों बहुत दिनों से यहाँ रह रहे हो। मैंने साँप को मारने की एक बहुत अच्छी तरकीब सोची है।

''कल सवेरे महल से राजकुमारियाँ नदी में नहाने जाएँगी। पानी में घुसने के पहले वे अपने गहने और

कपड़े उतारकर किनारे पर रख देंगी। उनकी रखवाली करने के लिए उनके साथ नौकर-चाकर भी होंगे।

"तुम दोनों पहले देख आना कि वे गहने कहाँ रखती हैं। जब कोई देख न रहा हो तो कौवी उनमें से एक मोती का हार उठाकर उड़ जाए। तुम पीछे-पीछे काँव-काँव करते उड़ जाना। खूब जोर से शोर मचाना जिससे कि नौकर-चाकर उसे हार लेकर उड़ते हुए देख लें। वह तुम्हारा पीछा करेंगे। हार काले साँप के बिल में गिरा देना। फिर देखना क्या होता है।"

कौवे ने लोमड़ी की बताई तरकीब मान ली।

दूसरे दिन सवेरे कौवा नदी के किनारे जा पहुँचा। थोड़ी देर में राजकुमारियाँ वहाँ आईं। उनके साथ नौकरानियाँ भी थीं। राजकुमारियों ने अपने गहने-कपड़े उतारकर किनारे पर रख दिये और नहाने के लिए नदी में उतर गईं।

कौवा और कौवी देख रहे थे। गहनों में मोतियों का एक हार भी था। कौवी झपटकर चोंच में हार को दबाई और उड़ गई। काँव-काँव करता हुआ कौवा भी उसके पीछे-पीछे उड़ चला।

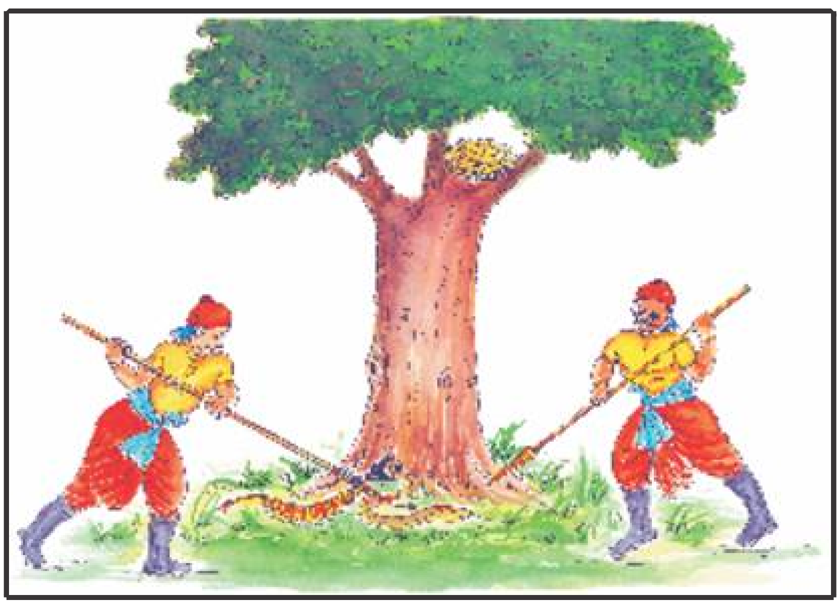

नौकरों ने कौवी को हार उठाते देख लिया। उन्होंने शोर मचाया और उनके पीछे भागे। कौवी ने साँप के बिल में हार गिरा दिया और उड़ गई।

नौकरों ने साँप के बिल में हार को गिरते देख लिया। वे डंडों से बिल में से हार निकालने लगे। साँप को यह छेड़छाड़ अच्छी नहीं लगी।

उसे बहुत गुस्सा आया। वह बिल के बाहर निकल आया और फन फैलाकर उन्हें डँसने को लपका। नौकरों ने साँप को घेर लिया और भाले से बेधकर मार डाला। फिर वे हार लेकर चले गए।

कौवा और कौवी पेड़ पर से यह तमाशा देख रहे थे। उन्होंने जब देखा कि उनका दुश्मन काला साँप मार डाला गया है, तब उन्होंने चैन की साँस ली।

कौवा और कौवी अपने पुराने घर में सुख से रहने लगे और हमेशा लोमड़ी के गुण गाते रहे।

–विष्णु शर्मा ('पंचतंत्र')

शब्दार्थ

निकट	नजदीक	भाना	अच्छा लगना
रखवाली	पहरा	रेंगना	सरकना
दुष्ट	बदमाश	तरकीब	उपाय
नौकरानी	दाई	शोर	हल्ला
राजकुमारी –	राजा की बेटी		

अभ्यास

1. अपनी समझ से बताएँ –

(क) काले साँप का घोंसले के निकट रहना कौवा-कौवी को क्यों नहीं भाया?

....

(ख) कौवी के काँव-काँव करने पर साँप पर कोई असर क्यों नहीं हुआ?

....

(ग) अगर साँप बिल में न घुस गया होता तो क्या सारे कौवे मिलकर साँप को मार पाते?

....

(घ) अगर लोमड़ी, कौवे-कौवी की मदद न करती तो क्या होता?

....

2. पाठ से बताएँ –

(क) कौवी ने कौवे से घर छोड़ने की बात क्यों कही?

....

....

....

(ख) लोमड़ी ने साँप को मारने की क्या तरकीब सोची?

....

....

....

(ग) राजकुमारी के नौकरों ने साँप को क्यों मार दिया ?

....

....

....

(घ) पाठ में से उन पंक्तियों को लिखिए जहाँ कौवी माला झपटकर उड़ गई।

....

....

....

3. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और प्रत्येक वाक्य के लिए खाली स्थानों में लिखें कि कहानी में यह वाक्य किसने कहा और किससे कहा–

(क) "सो तो ठीक है, पर इस दुष्ट साँप से हमें बचाएगा कौन ?"

(ख) "हम इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं। अपने पुराने घर को छोड़ते हुए मुझको बुरा तो बहुत लगेगा।"

(ग) "जब कोई देख न रहा हो तो कौवी उनमें से एक मोती का हार उठाकर उड़ जाए।"

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
(क)		
(ख)		
(ग)		

4. पहले क्या हुआ? फिर क्या हुआ? इसी क्रम से नीचे लिखे वाक्यों के सामने 1, 2, 3, 4......................10 क्रम से लिखें।

- ☐ साँप ने कौआ-कौवी के बच्चों को मारकर खा लिया।
- ☐ नदी में राजकुमारियाँ नहाने आईं।
- ☐ कौवे और कौवी ने बरगद पर अपना घोंसला बनाया।
- ☐ कौवा-कौवी लोमड़ी के पास गये और लोमड़ी ने उन्हें तरकीब बताई।
- ☐ एक बूढ़ा काला साँप भी इसी बरगद के नीचे बिल बनाकर रहने लगा।
- ☐ नौकरों ने भाले से बेधकर साँप को मार डाला।
- ☐ कौवी बहुत रोई और शाम को कौवे से इस पेड़ को छोड़कर कहीं और जाने की बात कही।
- ☐ कौवी मोतियों की माला झपटकर उड़ गई और नौकरों ने उसका पीछा किया।
- ☐ कौवा और कौवी अपने पुराने घर में सुख से रहने लगे।
- ☐ कौवी ने माला साँप के बिल में गिरा दिया।

5. बॉक्स में दिये कुछ नामों में से गहनों के नामों को घेर कर लिखें और बताएँ कि ये कहाँ पहने जाते हैं?

अँगूठी, मकान, हार, घायल, तरबूज,काला, पायल, बाली, कंगन, काजल, झुमका, सड़ी, कुर्सी, माँगटिका, चम्मच, कमरबँध, नथिया, जंगल, बिछिया, पंछी

गहने का नाम	कहाँ पहना जाता है	गहने का नाम	कहाँ पहना जाता है
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

6. निम्न शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें ।

धीरे-धीरे - ....

जोर-जोर - ....

साथ-साथ - ....

जब जब ....

पीछे-पीछे - ....

काँव-काँव - ....

7. कौन कहाँ रहता है ?

साँप .... में रहता है।

कौआ .... में रहता है।

मछली .... में रहती है।

चूहा .... में रहता है।

शेर .... में रहता है

बंदर .... में रहता है।

8. नीचे लिखे वाक्यों को पाठ में खोजें और प्रत्येक वाक्य के सामने उनका नाम लिखें, जिनके लिए वाक्य में रेखांकित शब्द का प्रयोग हुआ है-

(क) हमलोग इस पेड़ को छोड़कर कहीं और चलते हैं। ....

(ख) <u>उसने</u> कौवी को बहुत समझाया। ....

(ग) <u>हम</u> इतने सालों से यहाँ रह रहे हैं । ....

(घ) वह बहुत चतुर है। ....

(ङ) <u>वे</u> बोले- हमारी मदद करोगी मौसी? ....

(च) <u>तुम</u> दोनों को अपना घर नहीं छोड़ना चाहिए ....

(छ) मैंने साँप को मारने की एक अच्छी तरकीब सोची है। ....

(ज) <u>वे</u> डंडों से बिल में से हार निकालने लगे। ....

ऊपर के रेखांकित शब्द किसी-न-किसी संज्ञा के बदले आए हैं। ये सभी 'सर्वनाम' के उदाहरण हैं।

9. नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़ें। रेखांकित शब्द, जिसके बारे में बता रहा है, उसे सामने दिए कोष्ठक में लिखें-

(क) एक बड़ा बरगद का पेड़ था। ....

(ख) ऊपर रहने वाली कौवी ने कई अण्डे दिए। ....

(ग) बरगद के नीचे बिल में एक काला साँप रहता था। ....

(घ) साँप बूढ़ा हो चला था। ....

(ङ) जंगल में एक चतुर लोमड़ी रहती थी। ....

(च) उसने एक अच्छी तरकीब सोची। ....

जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते हैं। बड़ा, काला, कई, बूढ़ा, चतुर, अच्छी, ये सब विशेषण के उदाहरण हैं।

●●●

11 उल्टा-पुल्टा

चलते-चलते निकली छत से,
गिरती जब छिपकली छपाक;
तुरंत सँभल जाती उस क्षण ही,
उठ चल देती अपने आप

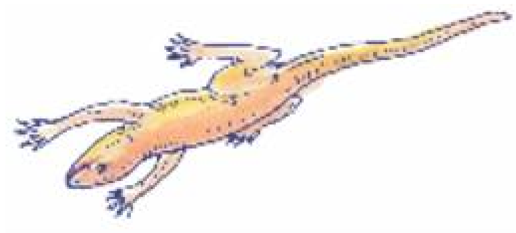

ऊपर की डाली से बंदर,
जब आ गिरता है नीचे;
झटपट पकड़ दूसरी डाली,
हँसता है आँखें मींचे ।

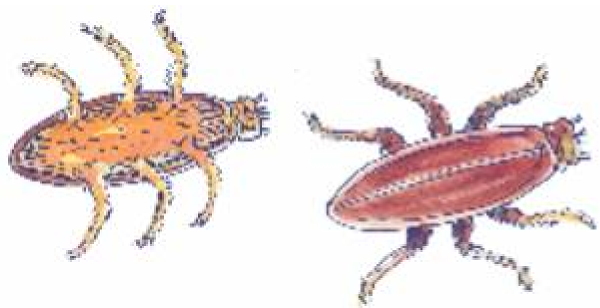

तिलचट्टे, चींटे जब चलते,
एकाएक पलट जाते हैं;
झपट हाथ-पैरों को अपने,
फिर सीधे हो चल पाते हैं ।

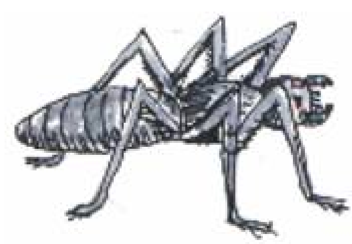

चींटी गिरती, मकड़े गिरते,
गिरगिट गिरते और सँभलते,
गिरने पर वे साहस खोकर,
कभी न अपनी आँखें मलते ।

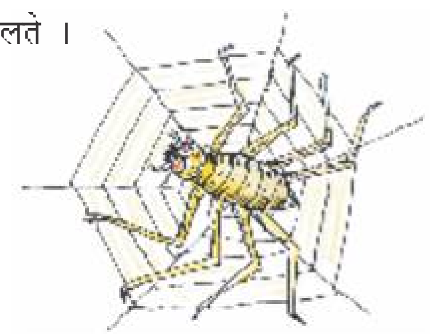

गिरने और पिछड़ने पर,
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं;
धूल झाड़ जो तुरंत सँभलते,
वे जीवन में सुख पाते हैं ।

-भगवती प्रसाद द्विवेदी

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) छिपकली जब छत से नीचे गिरती है तब आपको कैसा लगता है? क्यों?

....

(ख) पेड़ की डालियों पर बंदरों को उछल-कूद करते देख आपके मन में क्या-क्या भाव उठता है?

....

(ग) चींटियों को एक कतार में चलते हुए देखकर अप उनके बारे में क्य सोचते हैं?

....

2. कविता से बताएँ

(क) गिरगिट और मकड़ी गिरने के बाद क्या करते हैं?

....

(ख) कैसे व्यक्ति पछताते हैं ?

....

(ग) कौन-से व्यक्ति सुख पाते हैं ?

....

3. कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए -

(क) चलते चलते .... निचली छत से गिर जाती है।

(ख) बंदर ऊपर को .... से नीचे आ गिरता है।

(ग) तिलचट्टा चलते हुए एकाएक .... जाता है।

4. नीचे दिए गए शब्दों की समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द लिखिए -

(क) गलते - ....

(ख) डाली - ....

(ग) गङड़े - ....

5. **पढ़कर समझिए और दूसरी तरह से लिखना सीखिए-**

उदाहरण बन्दर बंदर

(क) तुरन्त - ....

(ख) अन्दर - ....

(ग) परन्तु ....

(घ) मन्दिर - ....

(ङ) गड्ढे - ....

6. **नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए**

(क) हाथ - ....

(ख) पैर - ....

(ग) साहस ....

(घ) सुख - ....

7. **कविता की दी गई पंक्तियों को सामान्य वाक्यों में लिखिए-**

उदहारण ऊपर की डाली से बंदर,
जब आ गिरता है नीचे;

जब बंदर ऊपर की डाली से नीचे आ गिरता है;

(क) तुरंत संभल जाती उस क्षण ही,
उठ चल देती अपने आप ।

(ख) झटपट पकड़ दूसरी डाली,
हँसता है आँखें मींचे।

8. **नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए -**

(क) चलते - चलते -

(ख) झटपट

(ग) हिम्मत -

9. **अन्त्याक्षरी के आधार पर शब्दलड़ी को आगे बढ़ाइए -**

चींटी - टीन - नल - ______ - ______ - ______ - ______ - ______

10. **कविता में जीव-जन्तुओं के नाम ढूंढ़कर लिखिए ।**

12 गाँधी जी की कहानी-चित्रों की जुबानी

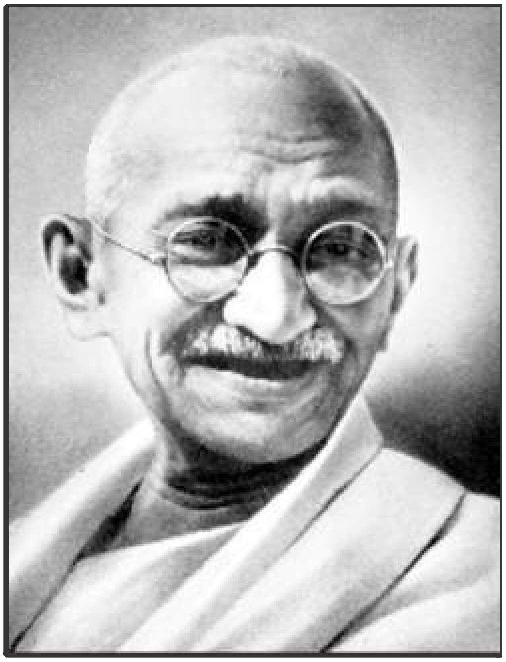

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

पोरबंदर, यहाँ गाँधी जी का जन्म हुआ था

गाँधी जी 7 साल की आयु में

प्राथमिक विद्यालय, राजकोट जहाँ गाँधी जी पढ़ते थे।

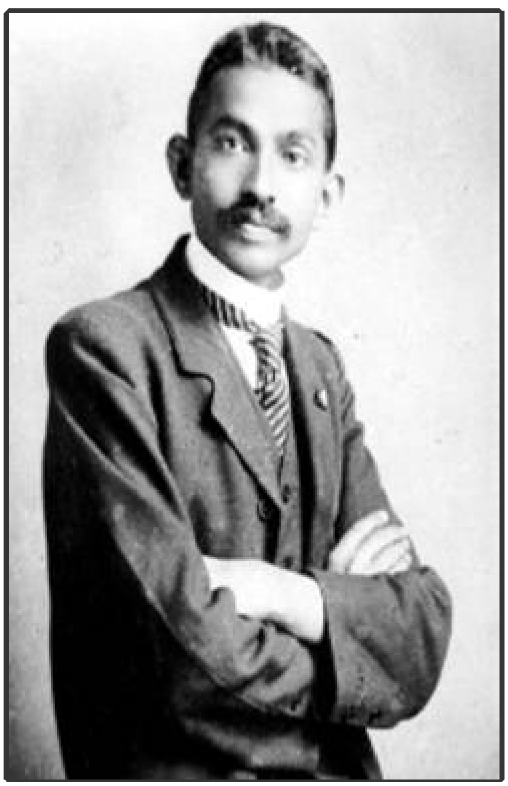

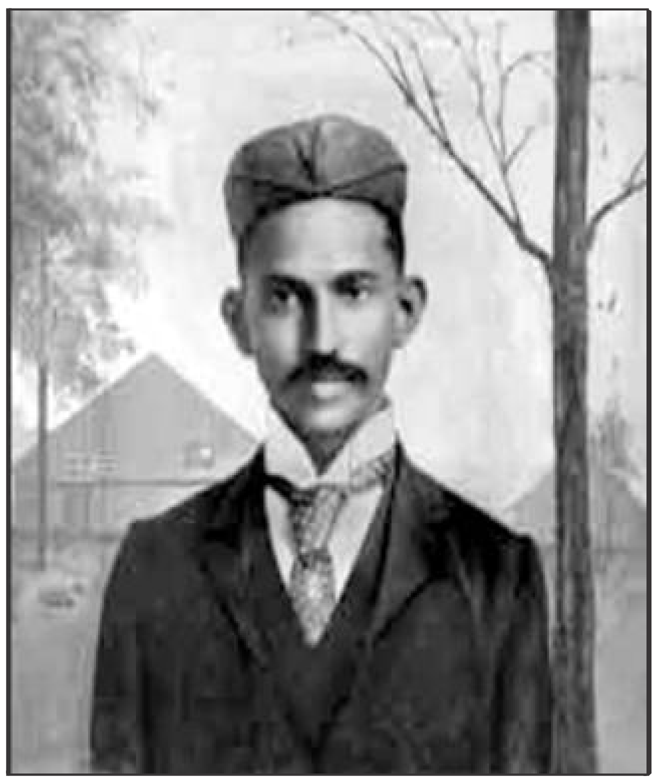

गाँधी जी विभिन्न रूपों में ।

गाँधी जी और कस्तूरबा

'बा' बच्चों के साथ

गाँधी जी शान्ति-निकेतन में

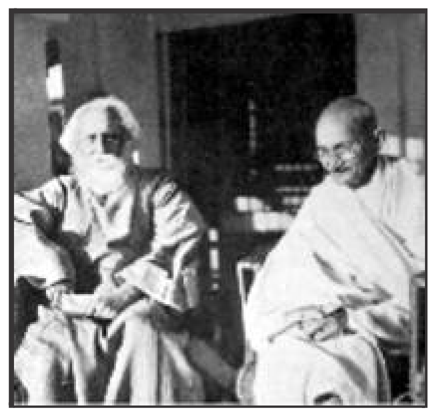

'गुरुदेव' के साथ

पंडित नेहरू के साथ

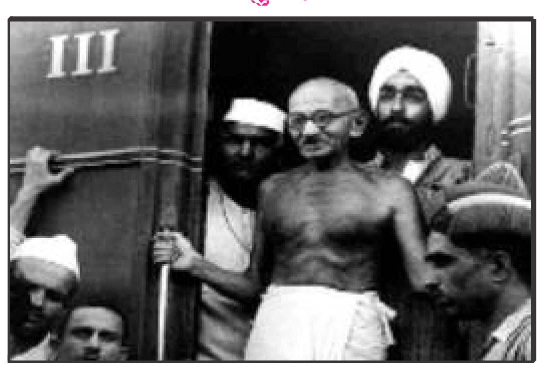

रेल यात्रा

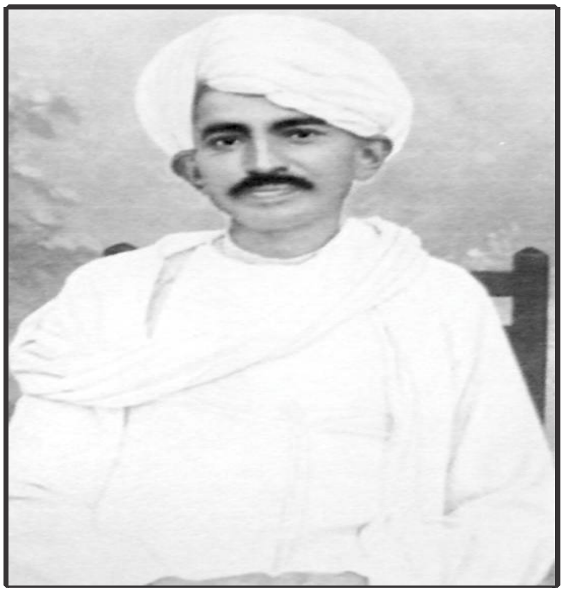

महात्मा गाँधी और कस्तूरबा चम्पारण सत्याग्रह के दौरान-1917

1934 के भूकम्प के दौरान बिहार के दौरे पर

गाँव के लोगों के साथ बात करते हुये

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के साथ रामगढ़ कांग्रेस में-1940

पटना में सीमान्त गाँधी के साथ

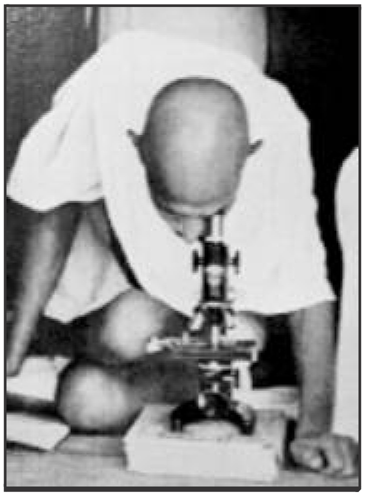

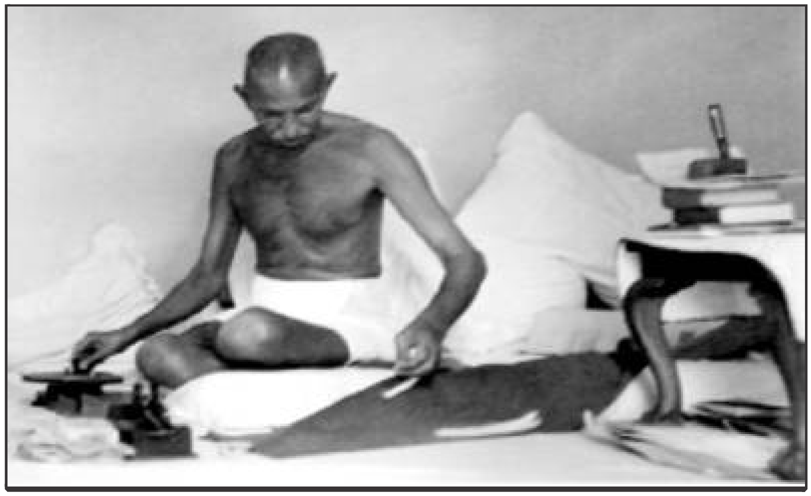

गाँधी जी काम करते हुए।

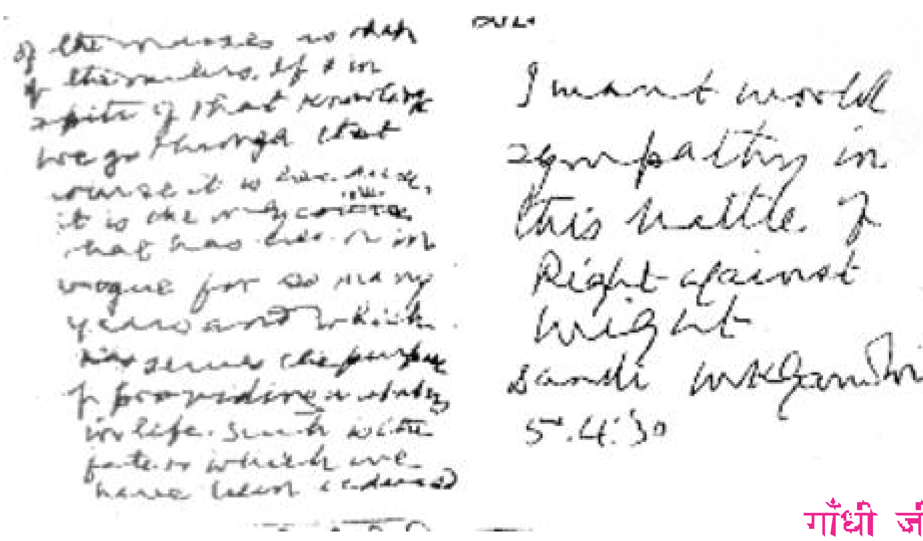

गाँधी जी की लिखावट

अन्तिम यात्रा

गाँधी जी की उपयोग की वस्तुएँ

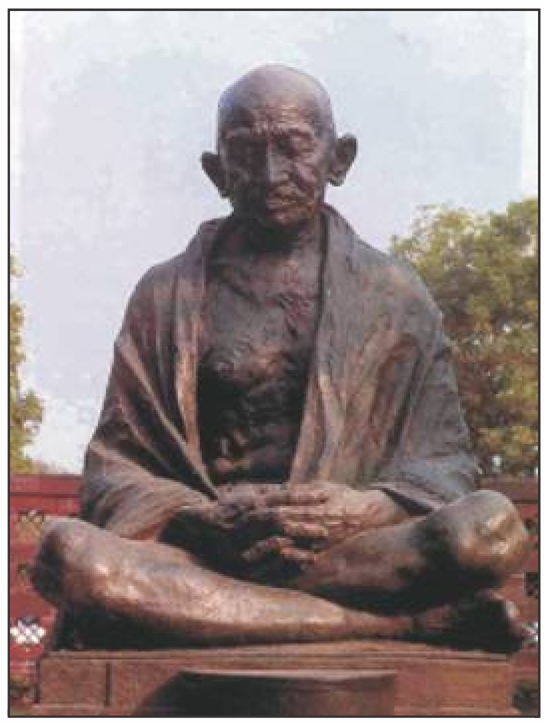

गाँधी मूर्ति

गाँधी संग्रहालय, पटना

गाँधी जी की समाधि, राजघाट, नई दिल्ली।

शिक्षक संकेत : सभी चित्रों को ध्यान से देखने और इसपर प्रश्न पूछने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करें । साथ ही बच्चों को बताने को कहें

(क) चित्र में उन्हें क्या-क्या दिख रहा है?

(ख) गाँधी जी का रहन-सहन और पहनावा उन्हें कैसा लग रहा है?

(ग) गाँधी जी के जीवन से वे क्या सीखते हैं?

13 राजगीर

भागलपुर

25 अगस्त 09

प्रिय शालिनी,

कल शाम तुम्हारी चिट्ठी मिली। पत्र में तुमने राजधानी पटना के दर्शनीय स्थलों की चर्चा की है। साथ ही साथ तुम्हारे द्वारा भेजी गई तस्वीरों ने मुझे उन जगहों को देखने के लिए उतावला कर दिया है।

आज मैं भी तुम्हें एक दर्शनीय स्थल 'राजगीर' के बारे में बताती हूँ, जहाँ से मैं पिछले ही सप्ताह घूमकर आई हूँ। राजगीर नालन्दा जिला में है। प्राचीनकाल में यहाँ मगध राज्य की राजधानी थी, जो 'राजगृह' के नाम से प्रसिद्ध थी

राजगीर का क्षेत्र पाँच पहाड़ियों से घिरा है। राजगीर की प्राकृतिक सुन्दरता देखते ही बनती है। यहाँ ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्मारक भरे पड़े हैं; जैसे – बड़े-बड़े पत्थरों से बनी दीवार, 'शिलाघटित महाप्राकार', जिसका निर्माण महाराजा बिम्बिसार ने राजगृह की सुरक्षा के लिए करवाया था। 'वेणुवन' महाराजा बिम्बिसार का बगीचा था।

एक समय में एक बलशाली राजा जरासंध हुए थे। जरासंध को कुश्ती का शौक था। यहीं 'जरासंध का अखाड़ा' है जहाँ जरासंध एवं भीम में 28 दिनों तक मल्लयुद्ध लड़ा गया था और जरासंध भीम के हाथों

मारा गया था। 'सोन भंडार गुफा' में जरासंध का सोने का भंडार था।

यहाँ तुम्हें भव्य "विश्व शांति स्तूप" के भी दर्शन होंगे, जो ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। पहाड़ी पर बनाए गये सीढ़ियों के द्वारा यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है 'रज्जु मार्ग' द्वारा "विश्व शांति स्तूप" की यात्रा अत्यन्त रोमांचकारी है। हरी भरी मनोरम पहाड़ियाँ मन को मोह लेती हैं।

राजगीर में गर्म पानी के अनेक स्रोत हैं, जिन्हें 'कुंड' कहा जाता है। इन कुंडों में ब्रह्म कुंड, सीता कुंड, सरस्वती कुंड, विष्णु कुंड, सप्तधारा आदि प्रमुख हैं। इन कुंडों में स्नान करने से चर्म रोग दूर होते हैं, ऐसा माना जाता है।

इन कुंडों के पश्चिम में 'सप्तपर्णी गुफा' है। 'गिद्ध कूट गुफा' में गौतम बुद्ध अक्सर ठहरते थे। राजगीर में हिन्दू और बौद्ध ही नहीं, जैन धर्मावलम्बियों के लिए भी दर्शनीय स्थान हैं। 'वीरायतन' में भगवान महावीर की जीवनलीला को बड़े ही आकर्षक और सजीव ढंग से दर्शाया गया है। यहाँ कई जैन मंदिर भी हैं।

राजगीर की सुन्दरता देख वहाँ बार बार जाने का मन करता है। जब यहाँ मलमास का मेला लगता है, उस समय तो यहाँ काफी भीड़ होती है। मैं तुम्हें राजगीर के विभिन्न दर्शनीय स्थलों के चित्र भेज रही हूँ, जिन्हें देखकर तुम भी राजगीर की सैर करना चाहोगी।

अब मैं अपना पत्र यहीं समाप्त करती हूँ। चाचा चाची को मेरा प्रणाम बोलना तथा आदित्य को शुभ आशीष।

तुम्हारी सहेली

ज्योति

शब्दार्थ

दर्शनीय	देखने लायक	**प्राचीन**	पुराना
प्राकृतिक	प्रकृति से संबंधित	**ऐतिहासिक**	इतिहास से संबंधित
धार्मिक	धर्म से संबंधित		
राजधानी	जहाँ से देश या राज्य का राज-काज चलाया जाता है।		

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आपके आसपास कौन-कौन सा प्रसिद्ध स्थान है, जहाँ लोग घूमने आते हैं ?

....

(ख) इस पाठ को पढ़कर आपको राजगीर के किस स्थान को देखने की सबसे अधिक इच्छा हो रही है और क्यों ?

....

2. पाठ से बताइए -

(क) इस पत्र में किस प्रसिद्ध स्थान के बारे में बताया गया है ?

....

(ख) रज्जु मार्ग से कहाँ जाया जाता है ?

....

(ग) ज्योति ने शालिनी को राजगीर के चित्र क्यों भेजे ?

....

3. सही कथन के आगे (√) चिह्न तथा गलत कथन के आगे (x) चिह्न लगाएँ-

(क) शालिनी ने ज्योति को पटना के दर्शनीय स्थलों की तस्वीरें भेजी थीं। (   )

(ख) प्राचीन काल में मगध राज्य की राजधानी राजगृह में थी। (   )

(ग) पटना में भव्य शांति-स्तूप है। (   )

(घ) कुंडों में स्नान करने से चर्म-रोग होते हैं। (   )

(ङ) 'शिलाघटित महाप्राकार' का निर्माण बिम्बिसार ने करवाया था। (   )

(च) वेणुवन जरासंध का बगीचा था। ( )

(छ) ज्योति ने शालिनी को राजगीर के दर्शनीय स्थलों की तस्वीरें भेजीं। ( )

4. **इस पाठ के आधार पर बताइए कि –**

(क) पत्र कौन लिख रही है ? ....

(ख) पत्र किसको लिख रही है ? ....

(ग) पत्र कहाँ से भेजा जा रहा है ? ....

(घ) पत्र कब (किस तारीख को) लिखा गया?..

5. **शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए –**

दर्शनीय	पुराने समय
राजधानी	इतिहास से संबंधित
प्राचीनकाल	धर्म से संबंधित
प्राकृतिक	जहाँ से राज–काज चलाया जाता है।
ऐतिहासिक	देखने योग्य
धार्मिक	प्रकृति द्वारा बना, जिसे आदमी ने नहीं बनाया है।

6. **एक शब्द से कई शब्द बनाइए –**

ग हा रा जा जैसे– गजा, ...

....

7. **पाठ में राजगीर के कई दर्शनीय स्थानों की चर्चा है। उनकी सूची बनाएँ–**

------------------ --------------------

------------------ --------------------

8. **पत्र से समाचार मिलता है। हमें अपने रिश्तेदारों के समाचार चाहिए तथा देश-दुनिया के समाचार भी । इन समाचारों को पाने के और कौन-कौन से साधन हैं ?**

रिश्तेदारों के समाचार **देश–दुनिया के समाचार**

------------------ --------------------

------------------ --------------------

9. अपने शिक्षक की सहायता से बिहार राज्य के दर्शनीय स्थानों की सूची बनाइए-

10. लिफाफे के ऊपर 'प्रेषक' एवं 'सेवा में' के नीचे खाली स्थान को भरें-

प्रेषक :	सेवा में,
....	....
....	....
....	....

14 दीप जले

द्वार-द्वार दीप जले,
दीप जले गाँव-गाँव,
बगिया की छाँव-छाँव,
द्वारे पर, आँगन में,
धूम मची ठाँव-ठाँव,
आओ रे ! गाओ रे!
ढोलक पर नीम तले,
दीप जले दीप जले
द्वार द्वार दीप जले।।

नन्हें से दीप ये,
नेह के उजारे हैं।
अमावस के चंदा हैं
राह के सहारे हैं।
रात के समुंदर में,
तारों की नाव चले,
दीप जले दीप जले।
द्वार द्वार दीप जले।।

दानव की हार का,

मानव की जीत का।

दीपों का पर्व है,

जन-जन की प्रीति का।

भेदभाव भूलो रे।

आपस में मिलो गले,

दीप जले - दीप जले।

द्वार-द्वार दीप जले।।

शब्दार्थ

नेह	प्रेम	**समुंदर**	समुद्र
छाँव	छाया	**ठाँव**	जगह
पर्व	त्योहार	**उजारे**	उजियारे, प्रकाश
राह	रास्ता	नीम तले	नीम के पेड़ के नीचे
दानव	राक्षस	**प्रीति**	प्यार

अभ्यास

1. अपने बारे में बताइए -

(क) दीपावली पर्व के अवसर पर आपके घर में क्या-क्या होता है ?

....

(ख) दीपावली की रात में प्रकाश करने के लिए आप क्या-क्या जलाते हैं ?

....

(ग) दीपावली में आपके घर में किन देवी-देवता की पूजा की जाती है ? और कब ?

....

(घ) दीपावली में आप कौन-कौन से पटाखे छोड़ते हैं ?

....

2. पाठ से बताइए -

(क) दीपावली कब मनाई जाती है?

....

(ख) कविता में दीपक को और क्या-क्या कहा गया है ?

....

3. दीपावली के दिन के लिए सही वाक्य के आगे (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (x) चिह्न लगाएँ -

(क) दीपावली अमावस्या की रात मनाई जाती है। (   )

(ख) दीपावली के दिन खूब रंग खेले जाते हैं। (   )

(ग) दीपावली में रात को होलिका जलाई जाती है। (   )

(घ) दीपावली पर्व मनाने से पूर्व घरों की साफ-सफाई की जाती है। (   )

(ङ) दीपावली में लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है। (   )

4. इनके विलोम शब्द लिखें -

हार -	....	अमावस्या -	....
प्रकाश -	....	नन्हा -	....
प्रीति -	....	दानव -	....

5. इनके समान ध्वनि वाले (मिलते-जुलते) शब्द लिखें -

दीप -	....	....	....
हार -	....	....	....
छाँव -	....	....	....
चंदा -	....	....	....
गाँव -	....	....	....
गले -	....	....	....

6. दीपावली के दिन कौन-कौन सी मिठाइयाँ तथा पकवान खाये जाते हैं ? उनके नाम रंग, रूप या स्वाद के साथ लिखिए। जैसे - मीठी खीर।

....

....

सभी मिठाइयाँ तथा पकवान के नाम संज्ञा के उदाहरण हैं , किन्तु उनके रंग, रूप या स्वाद बताने वाले शब्द विशेषण के उदाहरण होंगे। जैसे मीठी खीर, में खीर, 'संज्ञा' तथा मीठी, 'विशेषण' के उदाहरण हैं।

7. दीपावली के अतिरिक्त आप और किन-किन प्रमुख त्योहारों के बारे में जानते हैं? उनके नाम लिखिए-

....

....

....

....

8. दीपावली पर्व के दिन आपके पिता जी, माँ, भाई और बहन क्या-क्या करते हैं? सूची बनाइए

पिताजी	माँ	भाई	बहन

9. दीपावली के दिन पटाखे छोड़ते समय आप किन-किन बातों का ध्यान रखते हैं?

....

....

....

....

10. एक अल्पना का चित्र बनाएँ।

15 साहसी इंदिरा

राष्ट्रीय आन्दोलन के समय सभी स्वतन्त्रता-सेनानी पं० नेहरू के घर आनंद भवन में गुप्त रूप से मिलते थे। अंग्रेज नहीं चाहते थे कि राष्ट्रीय आन्दोलन सफल हो, इसलिए पुलिस नेताओं के घरों पर नजर रखती थी।

एक दिन की बात है। बहुत से राष्ट्रीय नेता पुलिस की आँखों में धूल झोंक आनंद भवन में इकट्ठा हो गए। कई महत्वपूर्ण बातों पर फैसले करने थे। इंदिरा के पिता पं० जवाहर लाल नेहरू ने देखा कि इंदिरा स्कूल जाने की बजाय मीटिंग के कमरे के आसपास मंडरा रही है।

गुस्से से लाल होते हुए वे बाहर आए, "अभी तुम्हारे स्कूल जाने का समय नहीं हुआ क्या?"

"पापा! अभी तो एक घंटा बाकी है।"

"तो बाहर जाकर खेलो। यह बच्चों के खेलने की जगह नहीं है। चलो फौरन।"

इस डाँट से इंदिरा की आँखों में आँसू आ गए। आँसुओं को रोकते हुए वह बगीचे में जाकर झूले में बैठ गई। गुस्से से उसने जमीन पर पैर मारकर पेंग बढ़ाई। जल्द ही झूला ऊँची पेंगें लेने लगा।

अचानक वह चौंकी। जैसे ही झूला पूरी ऊँचाई पर पहुँचा, उसने देखा कि चहारदीवारी के पास पुलिस वालों का जमघट लगा हुआ है।

वानर सेना की बुद्धि ने उसे कुरेदा – 'खतरा'।

इंदिरा बिना एक पल गँवाए दौड़ती-दौड़ती मीटिंग वाले कमरे का दरवाजा ठेलती अंदर पहुँची।

जवाहर जी को बहुत गुस्सा आया, "मैंने तुम्हें यहाँ आने से मना किया था......।"

"पर मुझे आना ही पड़ा पापा। पुलिस ने बंगले को चारों ओर से घेर लिया है।"

बैठे हुए सभी नेता सन्न रह गए। ''हमने तो नई योजना का पूरा खाका तैयार कर लिया है। अगर यह पुलिस के हाथों में पड़ गया तो हमारी सारी योजना धरी-की-धरी रह जाएगी।''

इंदिरा ने शांत भाव से पूछा, ''योजना के कागज कितने हैं?''

''दो-चार कागज हैं।''

''मुझे वे कागज दीजिए, मैं उन्हें यहाँ से बाहर ले जाऊँगी।''

''पर कैसे?''

''यह आप मुझ पर छोड़िए।''

कागजों को उसने झटपट अपने बैग में कॉपियों के बीच रखा। स्कूल ड्रेस पहनकर बैग उठाकर कार में सवार हो गई। कार उसे लेकर स्कूल चल दी।

बाहर पहुँचने पर सिपाही ने कार को रुकने का इशारा किया। ड्राईवर ने कार रोक दी।

इंदिरा का दिल जोर-जोर से धड़क रहा था। लेकिन वह शांत बनी रही।

''इस बैग में क्या है?'' उसने पूछा।

''मेरी किताबें।''

''यह भी तो हो सकता है कि इसमें हमारे मतलब के कुछ कागज छिपे हुए हों।'' सिपाही ने कहा।

"आप सोचते हैं कि मेरे पिता अपनी लाडली बेटी को इस जोखिम में डालेंगे?" इंदिरा ने सीधी और कड़ी नजर से सिपाही की ओर देखते हुए पूछा।

"बेबी! मुझे क्षमा करें कोई भी पिता अपनी नन्हीं बेटी को मुसीबत में नहीं डालेगा। तुम स्कूल जाओ।"

कार चल दी। बाहर पहुँचकर इंदिरा ने तसल्ली की साँस ली। उसे गर्व था कि उसने राष्ट्रीय नेताओं की मदद करके अपनी सच्ची लगन और देशभक्ति का प्रमाण दे दिया था।

–पाठ्यपुस्तक विकास समिति

वानर सेना

इंदिरा जब आपकी उम्र की थी तो उस समय उनकी इच्छा होती थी कि वह भी बड़ों की तरह आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले। इसलिए उन्होंने एक वानर सेना का गठन किया जो बड़े लोगों के संदेश पहुँचाने का काम करती थी और बाहर से खबरें लाकर उन तक पहुँचाती थी। अपने जैसे बच्चों को समूह में जोड़कर उन्होंने इसे नाम दिया था – वानर सेना।

शिक्षक संकेत : बच्चों को अन्य स्वतंत्रता सेनानानियों से संबंधित बातें भी बताएँ।

शब्दार्थ

स्वतंत्रता-सेनानी	-	आजादी की लड़ाई लड़ने वाले			
आनन्द भवन	-	इलाहाबाद में इंदिरा के पैतृक मकान का नाम			
देशभक्ति	-	देश के लिए लगाव			
महत्त्वपूर्ण	-	खास	**जोखिम**	-	खतरा
मीटिंग	-	बैठक	**तसल्ली**	-	आराम
जमघट	-	भीड़	**खाका**	-	रूपरेखा
लाडली	-	प्यारी			

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें

(क) यह कहानी आपको कैसी लगी?

....

(ख) क्या आप भी इंदिरा की तरह बनना चाहते हैं ? यदि हाँ तो क्यों ?

....

(ग) इंदिरा का दिल जोर जोर से क्यों धड़क रहा था?

....

2. पाठ से बताएँ

(क) इंदिरा को उसके पिता ने क्यों डाँटा ?

....

(ख) इंदिरा गुस्से में कहाँ चली गई ?

....

(ग) इंदिरा ने अपने पिता को क्या सूचना दी ?

....

(घ) इंदिरा ने सिपाही को क्या कहकर बहला दिया ?

....

(ङ) इंदिरा ने नेताओं की मदद करके अपने किन किन गुणों का प्रमाण दिया ?

....

3. सही (√) / गलत (x) का निशान लगाएँ

(क) इंदिरा बचपन से ही बहुत साहसी थी। ( )

(ख) चहारदीवारी के बाहर इंदिरा ने लोगों का जमघट देखा। ( )

(ग) योजना के कागज़ों को इंदिरा ने अपने बैग में कॉपियों के बीच रख लिया। ( )

(घ) सिपाही के पूछने पर इंदिरा कार से उतरकर भाग गई। ( )

(ङ) इंदिरा एक सच्ची देशभक्त थी। ( )

4. इस पाठ में इंदिरा के कौन-कौन से गुण आपको नजर आए। गुण के सामने उन पंक्तियों को लिखें जिनसे वह गुण प्रकट होता है।

गुण	पंक्ति

5. नीचे लिखे वाक्यों को पाठ के अनुसार क्रमबद्ध रूप से लिखें –

(क) "वे कागज मुझे दे दीजिए। मैं उन्हें यहाँ से बाहर ले जाऊँगी।"

(ख) "बाहर जाकर खेलो। यह बच्चों के खेलने की जगह नहीं है।"

(ग) "पर, पापा मुझे आना पड़ा।"

(घ) गुस्से में वह बगीचे में जाकर झूले पर बैठ गई।

(ङ) "आप सोचते हैं कि मेरे पिता अपनी नन्हीं बेटी को मुसीबत में डालेंगे?"

....

....

....

....

....

6. पढ़िए, समझिए और बनाइए –

साहस साहसी विश्वास

मतलब – कागज –

शहर

7. इनके विलोम शब्द लिखें –

साहसी शांत डाँटना

रुकना – राष्ट्रभक्त – सच्चा –

8. इनसे क्या समझे –

(क) आँखों में धूल झोंकना ....

(ख) योजना धरी-की-धरी रह जाना ....

(ग) आँखों में आँसू आना ....

(घ) तसल्ली की साँस ....

(ङ) नजर रखना। ....

9. खाली जगहों को भरें –

इंदिरा स्कूल जाने की बजाय मीटिंग के कमरे के आसपास .... रही थी। झूले पर झूलते समय पेंग ऊँची होने पर उसने चहारदीवारी के बाहर .... वालों का जमघट देखा। उसने इसकी सूचना अपने .... को दी। योजना के कागज उसने अपने .... में कॉपियों के बीच रखा। सिपाही इंदिरा से वह कागज .... ले सका।

10. इंदिरा गाँधी के अलावा आप किन-किन महिला एवं पुरुष नेताओं के नाम जानते हैं ? लिखें।

महिला नेता	पुरुष नेता
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.

11. अपने से बड़ों से पूछकर लिखें –

इंदिरा जी से रिश्ता	उनके नाम
दादा	
दादी	
पिता	
माँ	

16 गंगा नदी

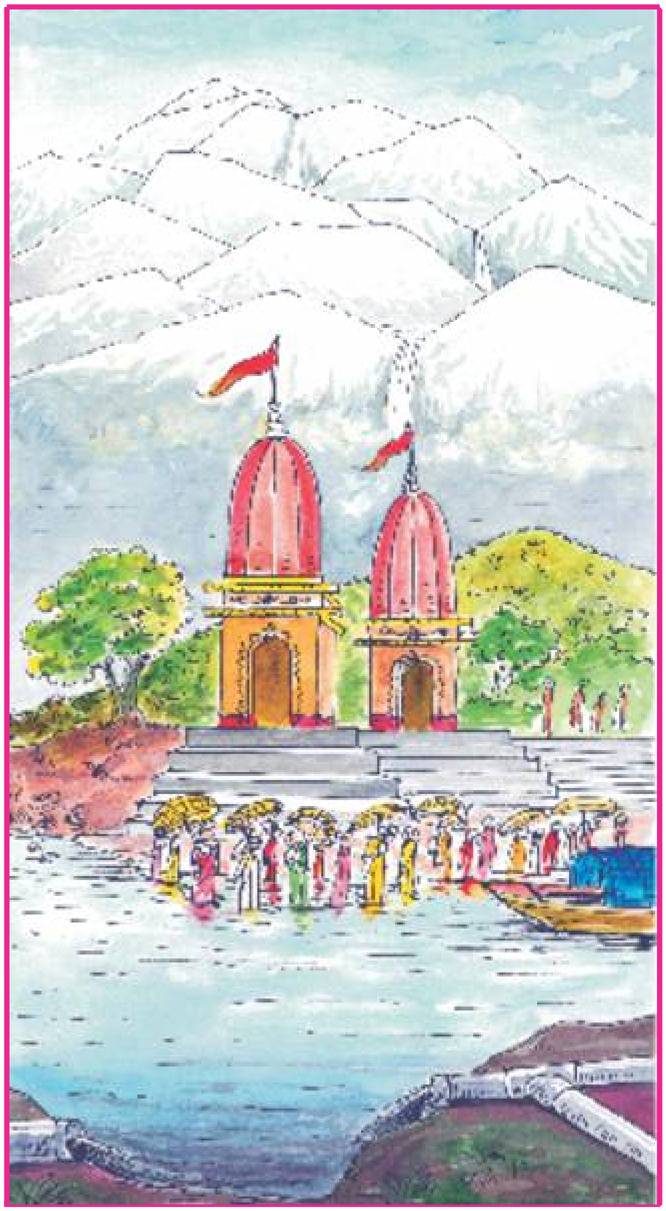

उजली उजली बर्फ पिघलकर,
बह निकली यह जल की धारा।
दुर्गम पथ से आगे बढ़ती,
हुई पूज्य, पूजा जग सारा।।

मुकुट देश का रजत हिमालय,
गंगा हृदयहार देश का ।
गंगा है पहचान देश की,
गंगा है आधार देश का।।

भारत के कोने कोने में ,
गाते हैं सब इसके गान।
पतित पावनी देवनदी यह,
लिखते विद्यापति विद्वान।।

क्रुद्ध हो रही गंगा मैया,
हम लोगों के पाप से।
तीव्र धार अवरुद्ध हो रही,
प्रदूषण के शाप से।।

इसकी कंचन छवि बनाती,
अपनी श्रद्धा की पहचान।
निर्मल रहे गंगा की सूरत,
रखना होगा इसका ध्यान।।

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

शब्दार्थ

रजत	–	चाँदी	हृदयहार	–	हृदय की माला, हार
क्रुद्ध	–	गुस्सा, क्रोधित	अवरुद्ध	–	रुका हुआ

अभ्यास

1. अपने बारे में बताइए -

(क) नदी में स्नान करने में आपको कैसा लगत है?

....

(ख) आपको गन्दे पानी में स्नान करना अच्छा लगता है या साफ पानी में ? क्यों ?

....

(ग) लोग किसी नदी या तालाब के जल को किस-किस तरह से गंदा करते हैं? क्या यह ठीक है?

....

2. अपनी समझ से बताइए -

(क) गंगा की पूजा क्यों की जाती है ?

....

(ख) हिमालय को रजत-मुकुट क्यों कहा गया है?

....

(ग) गंगा नदी को देवनदी क्यों कहा गया है?

....

(घ) गंगा नदी का पानी किस तरह से गंदा होता है?

....

3. पाठ से बताइए -

(क) गंगा नदी कैसे बनो ?

....

(ख) गंगा नदी को साफ बनाने के लिए क्या-क्या करना होगा?

....

4. इनसे क्या समझे ?

(क) हुई पूज्य, पूजा जग सारा

....

(ख) पतित पावनी देवनदी यह

....

(ग) क्रुद्ध हो रही गंगा मैया

....

5. **मुझसे क्या समझे ?**

(क) पूज्य .... (ख) रजत ....

(ग) प्रदूषण .... (घ) दुर्गंग ....

(ङ) अवरुद्ध ....

6. **मुझे सजाकर सही शब्द बनाइए**

(क) मा हि य ल ....

(ख) दी व दं न ....

(ग) चा ह प न ....

7. **और भी कई नदियाँ हैं, बताइए जिनके नाम आप जानते हैं**

....

....

8. **'गंगा' से कई व्यक्ति या स्थान के नाम बने हैं, लिखें, जिन्हें आप जानते हैं**

व्यक्ति का नाम	स्थान का नाम
....	....
....	....
....	....
....	....

ऊपर लिखे गए सभी नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

9. मुझे वाक्य में प्रयोग करें -

(क) उजला ....

(ख) बर्फ ....

(ग) पथ ....

(घ) दुर्गम ....

(ङ) मुकुट ....

(च) भारत ....

(छ) निर्मल ....

(ज) पाप ....

10. अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा वाक्य बनाइए -

(क) गंगा हिमालय से	पिघलती है।
(ख) बर्फ	गीत गाते हैं।
(ग) पूरे भारत में गंगा के	निकलती है।
(घ) कई कवियों ने गंगा के	ध्यान रखना होगा।
(ङ) गंगा को निर्मल रखने का	गीत गाये जाते हैं।

11. कविता की पंक्तियां पूरी करें -

(क) उजली-उजली .... पिघलकर ,
.... निकली यह .... की धारा।

(ख) .... देश का रजत .... ,
गंगा हृदयहार .... का

(ग) .... के कोने - कोने में ,
गाते हैं सब .... गान।

(घ) क्रुद्ध हो रही ....
हम लोगों के .... से।

12. गंगा नदी से हमें क्या-क्या लाभ हैं ?

17 बैलगाड़ी का दाम

एक गाँव में भोलाराम नामक किसान रहता था। जैसा उसका नाम, वैसा उसका स्वभाव था भोलाराम बहुत भोला था।

एक दिन भोलाराम अपनी बैलगाड़ी में भूसा लादकर मंडी में बेचने जा रहा था। रास्ते में उसे एक व्यापारी मिला, जिसका नाम धनीराम था।

''एक गाड़ी का क्या दाम है ?'' धनीराम ने पूछा।

''सात रुपये।'' भोलाराम ने भोलेपन से भूसे का दाम बताया।

''बहुत ज्यादा है।'' यह कहकर धनीराम चल दिया।

सौदा पटा नहीं, यह सोचकर भोलाराम मंडी की ओर चल पड़ा। वह थोड़ी ही दूर आगे गया था कि धनीराम ने आवाज दी, ''दाम ज्यादा है, पर कोई बात नहीं। चलो, खरीद लेते हैं। गाड़ी लेकर हमारे साथ चलो।''

भोलाराम बैलगाड़ी लेकर धनीराम के साथ उसके घर पहुँचा। भूसे को एक कोने में पलटकर उसने बैलों को हाँका। तभी धनीराम गाड़ी के सामने खड़ा हो गया।

''रुको भाई! गाड़ी कहाँ ले चले? मैंने गाड़ी भी खरीदी है।'' वह बोला।

''आपने तो केवल भूसा खरीदा है। सात रुपये में गाड़ी और बैल थोड़े ही मिलेंगे!'' हँसते हुए भोलाराम बोला।

''क्यों नहीं?'' धनीराम ने डांटा, ''हमने एक गाड़ी का दाम पूछा। तुमने सात रुपये बताए। मैंने तुम्हें पूरे सात रुपये दे दिए।''

''वह तो केवल भूसे का दाम था।''

''मैं कुछ नहीं जानता। अब खड़े क्यों हो? जाओ यहाँ से। मेरा वक्त बर्बाद मत करो।'' धनीराम डपटकर बोला। भोलाराम के होश उड़ गए। वह गिड़गिड़ाता रहा, पर धनीराम ने उसकी एक न सुनी। भोलाराम बेचारा भोलेपन में मारा गया। घर पहुँचकर उसने अपने बेटे को पूरी कहानी सुनाई।

''यह भी कोई बात हुई। मैं उसे ऐसा मजा चखाऊँगा कि याद रखेगा। आखिर मेरा नाम भी चतुरसेन है।'' बेटे ने कहा।

चतुरसेन पड़ोसी की बैलगाड़ी माँग लाया। उसमें भूसा लादकर वह मंडी ले चला। चौराहे पर उसे एक आदमी मिला।

''बहुत बढ़िया भूसा लिए जा रहे हो। एक गाड़ी का क्या दाम है?'' वही शब्द सुनकर चतुरसेन को लगा कि हो न हो, यह वही आदमी है, जिसने मेरे पिता को ठगा था।

''फसल अच्छी हुई, इसलिए दाम कम है। अब आपसे मोल-भाव क्या करना? आपका कोई छोटा बच्चा है?''

''हाँ, एक बेटा है। पर क्यों?''

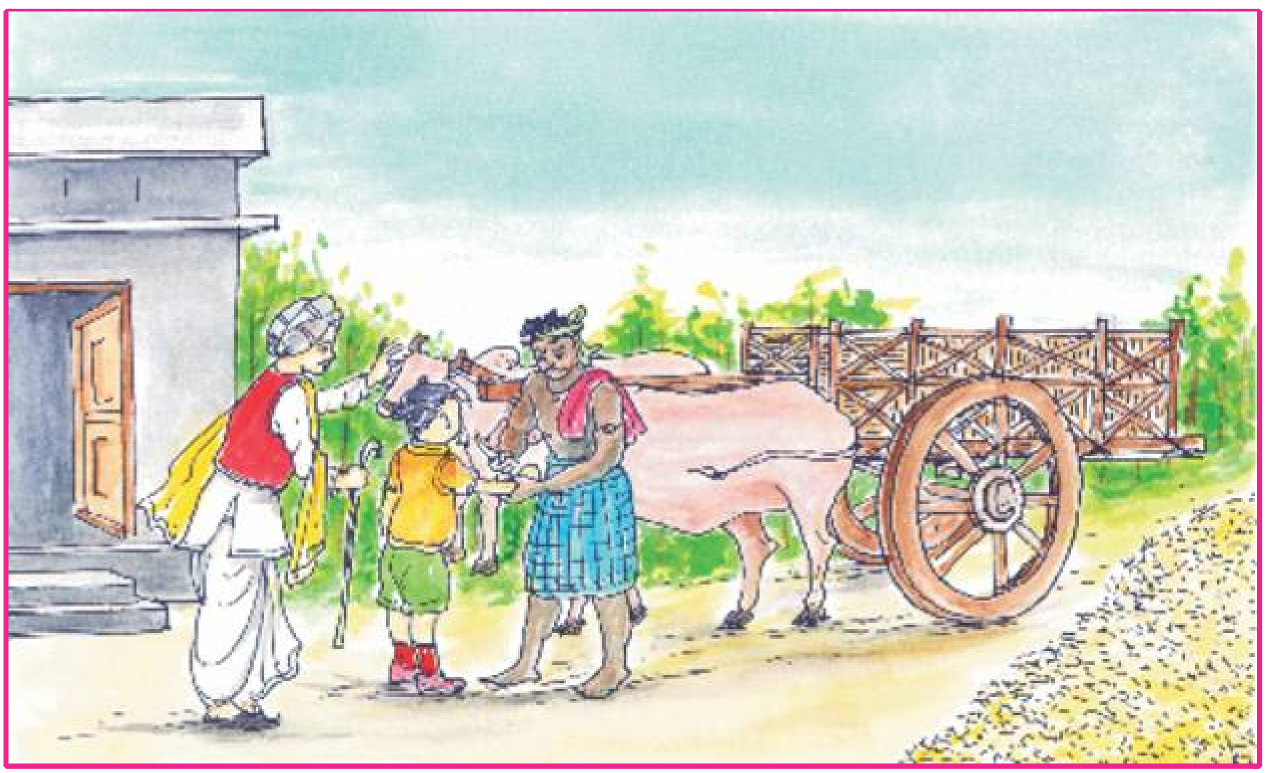

''सिक्के इसकी मुट्ठी में भरकर दे दीजिए, उसी से खुश हो जाऊँगा।''

धनीराम को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। बस मुट्ठीभर सिक्के! वह भी छोटे बच्चे के हाथ से! मन ही मन गद्‌गद होता वह चतुरसेन को अपने घर ले आया।

बाहर बंधे बैलों को देखते ही चतुरसेन ने पहचान लिया कि ये उसके ही बैल थे। पास ही उसकी बैलगाड़ी भी पड़ी थी। उसे पक्का विश्वास हो गया कि यह वही धनीराम है, जिसने उसके पिता को ठगा था। भूसे के पहले ढेर पर उसने अपना भूसा पलट दिया।

धनीराम अंदर गया और एक बच्चे को गोद में लिए बाहर आया।

''बेटा, मुट्ठी बढ़ाओ और इनके हाथ में सिक्के डाल दो'' वह बोला।

बच्चे ने जैसे ही हाथ बढ़ाया चतुरसेन ने उसकी नन्हीं कलाई कसकर पकड़ ली और चाकू निकालकर मुट्ठी काटने का ढंग करने लगा।

''यह क्या ? छोड़ो इसका हाथ!'' धनीराम चिल्लाया।

''सेठजी, सिक्के मुट्ठी में भरकर देने को कहा था न!'' चतुरसेन ने पूछा।

''हाँ, पर.......'' घबराहट में धनीराम कुछ न बोल पाया।

''तो फिर सिक्कों के साथ मुट्ठी भी हमारी!''

''क्या बक रहे हो? मुट्ठी में सिक्कों का मतलब नहीं कि मुट्ठी भी काट लो। मतलब तो केवल सिक्कों से है।''

''केवल सिक्कों से मतलब न?''

''हाँ!''

''तो फिर एक गाड़ी भूसे का क्या मतलब है?''

धनीराम समझ गया कि वह फँस गया है। चतुरसेन अब भी चाकू कलाई पर रखे था।

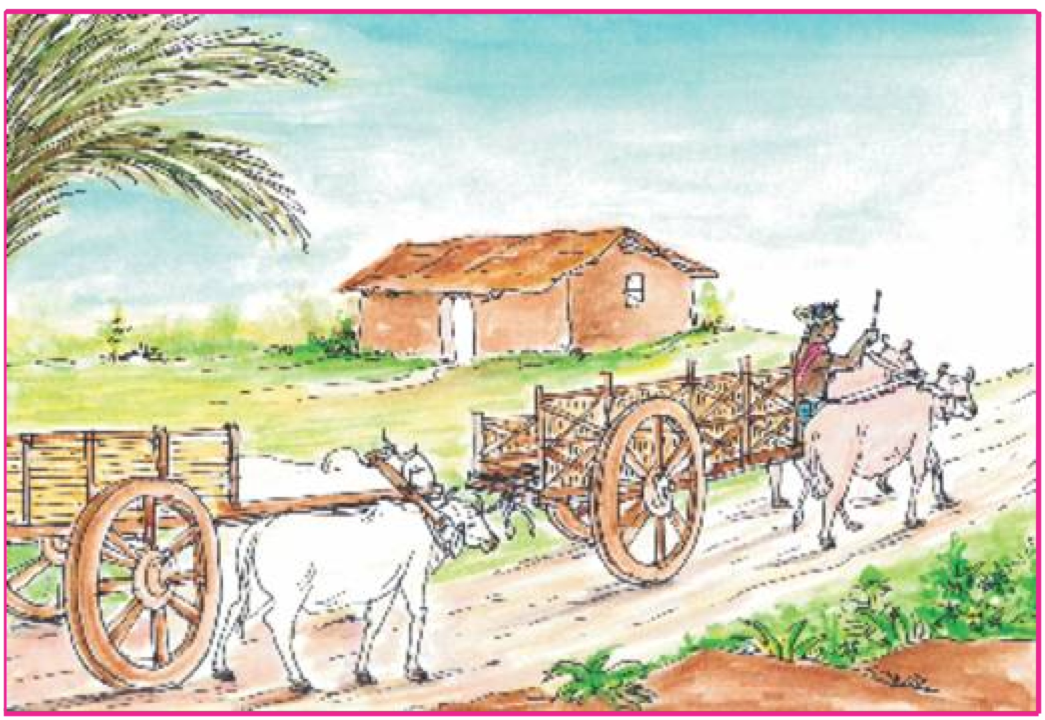

धनीराम उसके पैरों पर गिरकर क्षमा माँगने लगा।

''क्यों क्षमा करें? क्या आपने हमारे पिता जी की बात सुनी थी?''

''नहीं, नहीं! कुछ भी माँगो, हम देंगे पर हमारे बेटे को छोड़ दो।'' धनीराम गिड़गिड़ाया।

''तो दीजिए एक हजार रुपये!''

अब मरता क्या न करता! धनीराम दौड़कर अंदर से रुपए ले आया और चतुरसेन को देता हुआ बोला, ''ये रुपये लो और मेरे बेटे का हाथ छोड़ो।''

चतुरसेन ने हाथ छोड़ बच्चे का गाल थपथपाया और कहा, ''जाओ बेटा। अपने बापू से कहे, अब किसी भोले किसान को ठगने की कोशिश न करें।''

दोनों बैलगाड़ियों को लेकर चतुरसेन अपने घर की ओर चल पड़ा।

–नीलिमा सिन्हा

शब्दार्थ

चौराहा – जहाँ से चारों ओर के लिए रास्ता निकलता है।

कलाई – हाथ का वह भाग जहाँ से हथेली जुड़ती है।

क्षमा – माफी, **मंडी** – थोक बाजार ।

अभ्यास

1. **अपने बारे में बताएँ-**

(क) आपने कहाँ-कहाँ बैलगाड़ी देखी है?

....

(ख) अपने मंडी में क्या-क्या देखा ?

....

2. **अपनी समझ से बताएँ –**

(क) ''आखिर मेरा भी नाम चतुरसेन है।'' चतुरसेन ने ऐसा क्यों कहा होगा?

....

(ख) किसान बैलगाड़ी का उपयोग क्यों करते हैं ?

....

3. **पाठ से बताएँ–**

(क) भोलाराम मंडी क्यों जा रहा था ?

....

(ख) भोलाराम के होश क्यों उड़ गये ?

....

(ग) चतुरसेन ने भूसा का दाम कितना बताया ?

....

(घ) चतुरसेन ने धनीराम के बेटे से क्या कहा ?

....

4. **इनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बताएँ –**

(क) लादना – ....

(ख) ज्याद – ....

(ग) साथ-साथ – ....

(घ) रुकना – ....

(ङ) माँगना – ....

(च) बढ़िया – ....

(छ) खुश – ....

(ज) सामने – ....

5. **दिए गए शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें –**

(क) बैल – ....

(ख) मंडी – ....

(ग) भोला – ....

(घ) बर्बाद – ....

(ङ) मजा – ....

6. खाली स्थानों को भरें -

(व्यापारी, फँस, मुट्ठी, किसान, भूसा)

(क) एक गाँव में भोलाराम नामक एक .... रहता था ।

(ख) रास्ते में उसे एक .... मिला, जिसका नाम धनीराम था।

(ग) आपने तो केवल .... खरीदा है।

(घ) सिक्के उसकी .... में भरकर दे दीजिए।

(ङ) धनीराम समझ गया कि वह .... गया है।

7. सही वाक्य के आगे (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (x) चिह्न लगाएँ-

(क) भोलाराम पड़ोसी की बैलगाड़ी लेकर मंडी ज रहा था। ( )

(ख) भोलाराम ने भूसे का दाम सात रुपये बताया। ( )

(ग) धनीराम सात रुपये में ही भूसा और बैलगाड़ी दोनों ही खरीदना चाहता था। ( )

(घ) धनीराम का बेटा चतुरसेन था। ( )

(ङ) चतुरसेन सचमुच में चतुर (चालाक) था। ( )

18 हम सब

हिन्दू मुस्लिम सिक्ख ईसाई,
चारों मिलकर गाएँ।
जात-पात की बात करें मत,
मानव दिवस मनाएँ।

देश हमारा भारत प्यारा,
इसके बेटे चार हैं।
गांदी इसकी खेल, पले हैं,
हम में पूरा प्यार है।

प्यार तोड़नेवाले की,
हर कोशिश नाकाम करें।
भारत है, तो हम सब हैं,
मन में यही विचार करें।

खून-पसीना एक करेंगे,
मिलकर जतन करेंगे।
हम तो हैं भारत के बच्चे,
हम न कभी डरेंगे।

– आशा दूबे

शब्दार्थ

मानव	–	आदमी	**दिवस**	–	दिन
नाकाम	–	बेकार	**जतन**	–	मेहनत
कोशिश	–	प्रयास			

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें

(क) अपने विद्यालय को सुन्दर बनाने के लिए आप क्या क्या करेंगे?

....

....

(ख) किसी बहादुर बच्चे की कहानी सुनाइए।

....

....

2. पाठ से बताएँ

(क) हमारे देश का नाम क्या है ?

....

(ख) अपना देश आपको कैसा लगता है ?

....

(ग) हमारे देश के चार बेटे कौन कौन हैं ?

....

(घ) हमें किस कोशिश को नाकाम करना है ?

....

3. अर्थ/भाव से मिलती हुई पंक्ति कविता में से ढूँढ़कर लिखिए

अर्थ/भाव	पंक्ति
(क) हमलोग जात पात की बातें नहीं करें, हम सभी आदमी मिलजुल कर खुश रहें।	....
(ख) हमलोगों का विकास भारत की धरती पर खेलते कूदते हुआ है, हम यहीं बड़े हुए हैं। हमलोगों में आपस में खूब प्यार है।	....

(ग) हमें एक चीज जरूर सोचना चाहिए
कि अगर हमारा देश सुरक्षित है, तब ....
ही हम सब भी सुरक्षित हैं, क्योंकि हमें
देश से ही सब कुछ मिलता है। ....

4. हमें कविता में कुछ काम करने तथा कुछ काम नहीं करने की सलाह दी गई है। आइए इसकी सूची बनाएँ-

कौन काम करें	कौन काम न करें
....	....
....	....
....	....
....	....

5. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखें-

(क) मानव ....
(ख) दिवस ....
(ग) नाकाम ....
(घ) जतन ....
(ङ) कोशिश ....

6. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें-

(क) प्यारा ....
(ख) मोदी ....
(ग) तोड़ना ....
(घ) कोशिश..
(ङ) खून ....
(च) विचार ....
(ज) पसीना ....

7. **खाली स्थानों को भरें–**

(क) देश हमारा ························ प्यारा ,
इसके बेटे ······························ हैं।
···················· इसकी खेल, पले हैं ,
हममें ··································· है।

(ख) खून ······················· एक करेंगे ,
मिलकर ······················· करेंगे।
हम तो हैं ···················· के बच्चे ,
हम न कभी ·························।

8. **अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही एवं पूरा वाक्य बनाएँ–**

हम जात पात की बात नहीं कर	कभी नहीं डरेंगे।
हमारे प्यारे भारत देश के	भारत सुरक्षित है तो हम सुरक्षित हैं।
हमें अपने बीच के प्रेम को तोड़ने की	मानव दिवस मनाएँ।
हमें यह समझ लेना चाहिए कि	हर कोशिश बेकार करनी चाहिए।
हम भारत के बच्चे	चार बेटे हैं।

9. **आपस में मिलजुल कर रहने से क्या-क्या लाभ हैं?**

··
··
··
··
··
··
··

19 कुत्ते की कहानी

जब मेरा जन्म हुआ तो मेरी आँखें और कान बंद थे। इसलिए नहीं कह सकता कि बाजे गाजे बजे, गाना-बजाना हुआ या नहीं। मुझे तो कुछ सुनाई न दिया। हाँ, जिस बिछावन पर मैं लेटा था, वह रूई की भाँति नर्म था। सर्दी जरा भी न लगती थी मैं दिल में समझ रहा था, किसी बड़े घर में मेरा जन्म हुआ है, लेकिन जब आँखें खुलीं तो मैंने देखा कि एक भाड़ की राख में अपनी माता की छाती से चिपका हुआ पड़ा हूँ। हम चार भाई थे। तीन लाल थे। मैं काला था। उस पर सबसे छोटा और सबसे कमजोर।

माता भी हमलोगों के पास कम ही रहती थीं। उन्हें खाने की टोह में इधर-उधर दौड़ना पड़ता था। वह रात रात भर जागकर गाँव की रक्षा करती थी। क्या मजाल कि कोई अनजान आदमी गाँव में कदम रख सके। दूसरे गाँव के कुत्तों को तो वह दूर से ही देखकर भगा देतीं थीं। जब किसी खेत में कोई साँड़ घुसता तो उसे दूर तक भगा आतीं, मगर इतना सब कुछ करने पर भी कोई उन्हें खाने को न देता। बेचारी पेट को आग से जला करती थीं। उसपर हम लोगों की चिन्ता उन्हें और मार डालती थी। इसीलिए जब भूख सताती तो कभी कभी वह चोरी से घरों में घुस जातीं और खाने की जो चीज मिल जाती, लेकर निकल भागती। उन्हें देखते ही लोग मारने दौड़ते और घरों के द्वार बंद कर लेते

एक दिन बड़ी ठंड पड़ी। बादल छा गए और हवा चलने लगी। हमारे दो भाई ठंड न सह सके और मर गए। हम दो ही रह गए। माताजी बहुत रोईं, मगर क्या करतीं? गाँववालों को फिर भी उनपर दया न आई थी। आदमी इतने मतलबी और बेदर्द होते हैं, यह मैंने पहली बार जाना।

इधर हम दोनों भाई जरा बड़े हुए तो लड़कों ने हमसे खेलना शुरू किया। मैं बहुत खूबसूरत था मुझे एक पंडितजी का लड़का पकड़ लाया। मैं पंडितजी के घर पलने लगा।

एक रात पंडितजी के घर के सभी लोग कहीं रिश्तेदारी में गए थे घर पर मैं और पंडितजी ही थे। पंडितजी तो खर्राटे की नींद ले रहे थे, पर मुझे नींद कहाँ ? बार बार घर का चक्कर लगाता रहा। चोरों ने समझा, आज सन्नाटा है। घर के नौकर को मिलाकर सारा भेद ले लिया था। मैं आहट पाकर पिछवाड़े गया तो देखा कि एक दरवाजा खुला हुआ है और कुछ आदमी वहाँ खड़े होकर चौकन्नी आँखों से इधर उधर देखते हुए धीरे-धीरे बातें कर रहे हैं। थोड़ी देर में देखा, तो कोई भीतर से थाली लोटा, संदूक वगैरह निकाल निकालकर बाहर के आदमियों को दे रहा है। अब तो सब बातें समझ में आ गईं। मैं बड़े जोरों से भौंकने लगा। इस पर चोरों ने मुझ पर ढेले फेंकने शुरू किए, पर मुझे उन ढेलों की चिन्ता न थी। स्वामी का घर लुट जा रहा है, भला यह कैसे देखा जाता? दौड़ता हुआ बरामदे में पंडितजी के पास गया और उनकी चादर दाँतों से खींचने लगा। इस पर उन्होंने गुस्सा होकर मुझे दो तीन लातें जमा दीं, पर मैं बाज नहीं आया। फिर चादर खींची और जोर जोर से भौंकने लगा।

पंडितजी की नींद खुल गई। अब उनको किस तरह समझाऊँ कि तुम्हारा घर लूटा जा रहा है बार-बार पिछवाड़े जाता और उनके सामने आकर जोरों से भौंकने लगता। मेरी चुस्ती से चोरों की हिम्मत न पड़ती थी कि वे सामान लेकर भाग निकलें।

सवेरा होने में थोड़ी कसर थी। इसलिए चोर सब माल-असबाब पासवाले गड्ढे में डुबोते जाते थे। उनकी मंशा यही थी कि दूसरी रात में सब माल असबाब उठा ले जाएँगे।

मुझे बार-बार गुस्सा आता था कि पंडितजी की बुद्धि पर आज पत्थर क्यों पड़ गया है? वे मेरे इशारे को क्यों नहीं समझ पा रहे हैं। आखिर मुझे एक उपाय सूझा। पलंग के नीचे पंडितजी की लाठी पड़ी हुई थी। उसे मैंने मुँह में उठा लिया और पिछवाड़े की तरफ बढ़ा।

अब पंडितजी मेरा इशारा समझ गए। तुरन्त लाठी लेकर पिछवाड़े पहुँचे तो देखते हैं कि चोर माल-असबाब उठाए लिए जा रहे हैं वे घबरा उठे। उनके मुँह से केवल इतना ही निकला, ''चोर! चोर!''

चोर का नाम सुनते ही ''पकड़ो! पकड़ो'' की आवाजें चारों ओर से आने लगीं। क्षण भर में गाँव के लोग लाठियाँ ले-लेकर इकट्ठे हो गए, मगर चोरों का पता नहीं था।

मैं भीड़ को चीरता हुआ पानी में कूद पड़ा और एकदम नीचे घुसकर नीचे तह तक पहुँच गया। संयोग से एक कटोरी मेरे मुँह में आ गई। उसे लेकर बाहर निकला तो मेरी बात सबकी समझ में आ गई। दो-चार आदमी पानी में कूद पड़े और थोड़ी देर में सब सामान मिल गया। पंडितजी इतने खुश हुए कि मुझे उठा-उठाकर छाती से लगाने लगे। सब यही कहते कि यह पूर्व जन्म का कोई विद्वान रहा होगा। किसी पाप का प्रायश्चित करने के लिए इस जन्म में आया है।

प्रेमचन्द

शब्दार्थ

ममता	-	मोह , प्यार	**टोह**	-	थाह / खोज
मजाल	-	हिम्मत	**सताना**	-	परेशान करना
मतलबी	-	अपना काम निकालने वाला	**बेदर्द**	-	निर्दय
खूबसूरत	-	सुन्दर	**चौकन्ना**	-	सतर्क/सावधान
माल असबाब		सामान	**प्रायश्चित**		फल भोगना

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) इस पाठ में आपको क्या अच्छा लगा और क्यों?

....

(ख) इस पाठ में आपको कौन-सी बात बुरी लगी, और क्यों?

....

(ग) कुत्ते का कौन सा गुण आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा ?

....

2. अपनी समझ से बताइए -

(क) ''जब भूख सताती तो कभी-कभी वह चोरी से घरों में घुस जाती और खाने की जो चीज मिल जाती, लेकर निकल भागती।'' आपकी नजर में कुत्ते की माँ कैसी थी ?

....

(ख) कुत्ते को क्या करना चाहिए था कि पंडित जी उसका इशारा जल्दी समझ जाते?

....

3. पाठ से बताइए -

(क) कुत्ते को क्यों लगा कि उसका जन्म किसी बड़े घर में हुआ है ?

....

(ख) कुत्ते की माँ अपने बच्चे के पास क्यों नहीं रह पाती थी?

....

(ग) कुत्ते की माँ गाँव के लिए क्या-क्या करती थी ?

....

(घ) कुत्ता कैसे पंडितजी के घर पहुँचा ?

....

(ङ) पंडितजी के घर में ही चोर क्यों घुसे ?

....

(च) कुत्ते के भौंकने का क्या कारण था ?

....

(छ) पंडितजी कुत्ते को उठा-उठाकर छाती से क्यों लगा रहे थे ?

....

4. **खाली स्थानों को भरें-**

(भीड़, हवा, कटोरी, पिछवाड़े, छाती, सामान)

(क) बादल छा गए और .... चलने लगी।

(ख) मैं आहट पाकर .... गया ।

(ग) मैं .... को चीरता हुआ पानी में कूद पड़ा।

(घ) एक .... मेरे मुँह में आ गई।

(ङ) थोड़ी देर में सब .... मिल गया।

(च) मुझे उठा उठाकर .... से लगाने लगे।

5. **पहले क्या हुआ? फिर क्या हुआ? इसी क्रम से नीचे लिखे वाक्यों के सामने 1, 2, 3, 4.........**
......11 क्रम से लिखें-

घर पर मैं और पंडितजी ही थे। ☐

पंडितजी तुरन्त लाठी लेकर पिछवाड़े पहुँचे। ☐

मैं पानी में कूद पड़ा और एक कटोरी लेकर बाहर निकला। ☐

मेरा जन्म एक भाड़ की राख में हुआ । ☐

चोरों ने समझा, आज सन्नाटा है। ☐

थोड़ी देर में सब सामान मिल गया। ☐

पंडितजी ने मुझे दो तीन लातें जमा दीं। ☐

मुझे एक पंडितजी का लड़का पकड़ लाया ☐

चोर-सब भाग गए। ☐

मैंने पंडितजी की लाठी को मुँह में उठा लिया। ☐

मैं पंडितजी की चादर को दाँतों से खींचने लगा। ☐

6. नीचे लिखे वाक्यों में संख्या-सूचक शब्द जिसकी संख्या बता रहा है, उसे कोष्ठक में लिखें-

(क) हम चार भाई थे। ....

(ख) हमारे दो भाई ठंड न सह सके और मर गए। ....

(ग) एक दरवाजा खुला हुआ था। ....

(घ) पंडितजी ने मुझे दो-तीन लातें जमा दीं। ....

(ङ) आखिर मुझे एक उपाय सूझा। ....

(च) एक कटोरी मेरे मुँह में आ गई। ....

ये संख्या-सूचक शब्द संख्या (मात्रा या गिनती) रूप में विशेषता बताते हैं। अतः ये शब्द "**विशेषण**" के ही उदाहरण हैं

7. कुत्ते में क्या-क्या विशेष गुण होते हैं ? इस कारण उनका उपयोग कहाँ-कहाँ होता है ?

गुण	उपयोग
....	....
....	....

8. कौन क्या है ?

(क) कुत्ता, गाय, बकरी, हाथी, हिरण — जानवर हैं।

(ख) पटना, दिल्ली, उदयपुर, दरभंगा .... हैं।

(ग) जलेबी, लड्डू, रसगुल्ला, पेड़ा .... हैं।

(घ) गंगा, कोशी, गंडक, बागमती .... हैं।

(ङ) बरगद, नारियल, पीपल, नीम .... हैं।

(च) गेहूँ, चावल, मकई, चना .... हैं।

(छ) कमीज, कुर्ता, साड़ी, धोती .... हैं।

(ज) पानी, चाय, दूध, शरबत .... हैं।

(झ) सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा .... हैं।

ये सभी **'संज्ञा'** हैं।

9. कौन कैसे बोलता है ?

(क) कुत्ता भौंकता है।

(ख) बकरी .... है।

(ग) गाय .... है।

(घ) घोड़ा .... है।

(ङ) गधा .... है।

(च) हाथी .... है।

(छ) शेर .... है।

(ज) मक्खी .... है।

10. गिनती के अनुसार शब्द के रूप बदलिए -

(क) एक कुत्ता दो कुत्ते

(ख) एक लड़का तीन ....

(ग) एक लोटा चार ....

(घ) एक घोड़ा पाँच ....

(ङ) एक गधा छः ....

यदि किसी संज्ञा-शब्द से एक वस्तु का बोध होता है तो उसे **"एकवचन"** और यदि एक से अधिक का बोध होता है तो उसे **"बहुवचन"** कहते हैं।

20 खेल-खेल में

(गली में सभी बच्चे कित-कित खेल रहे थे। राधा भी अपनी बहन रानी के साथ वहीं खेल रही थी। पर रानी को ठीक से खेलना नहीं आ रहा था।)

राधा : ओ रानी! सुनो, ठीक से समझ लो। गोटी को पहले चौखाने में डालो। फिर गोटी वाले खाने को छोड़कर बाकी खानों में एक पैर से छलांग लगाओ। लाइन पर पैर रखोगी तो खेल से बाहर। आखिरी खाने में उछलकर घूमो। वापसी में गोटी जरूर उठाकर लाना। याद रहे, 1-5 और 7-8 खाने में ही दोनों पाँव रख सकते हैं अब, दूसरे खाने में गोटी डालो। इसी तरह सभी खानों में बारी-बारी से गोटी डालकर खेलो।

बच्चे फिर से खेल में लग गए। चाची बहुत देर से उन्हें खेलते देख रही थीं। उनका भी खेलने का मन कर रहा था। जब उनसे रुका नहीं गया तो वे बोल पड़ीं- बच्चों, मैं भी तुम्हारे साथ कित-कित खेलूँ ?

(यह सुनकर सब बच्चे हँसने लगे।)

राधा : चाची ! आप खेलेंगी?

चाची : तुम सोचती हो, मुझे कित-कित खेलना नहीं आता ? अरे, तुम्हारी उम्र में तो हम कितने ही खेल खेलते थे।

रानी : कौन-कौन से खेल? चाची।

चाची : एक टाँग से दौड़ना, छुपा-छुपी, डेंगा-पानी, पिट्टो और न जाने क्या-क्या। और कबड्डी में तो हमारी टीम दस गाँव में सबसे आगे थी।

रमेश : चाची! आपको खेलने का इतना समय कहाँ से मिलता था? हमें तो खेलने के लिए समय ही नहीं मिलता।

चाची : तुम्हें टी.वी. देखने से फुरसत मिले, तब न।

रानी : चाची! क्या चाचा भी ये सब खेल खेलते थे ?

चाची : पूछो मत। तुम्हारे चाचा बताते हैं कि वे सारा दिन फुटबॉल, गिल्ली-डंडा, गोली, डेंगा-पानी, पिट्टो और न जाने क्या-क्या खेलते रहते थे. पतंग उड़ाने के चक्कर में खाना तक भूल जाते थे।

रानी : तो फिर आइए, खेल कर दिखाइए ना ।

(चाची बच्चों के साथ खेलने लगीं। अभी कुछ देर खेल पाए थे कि बारिश आ गई।)

सब बच्चे : ओफ ओ ......!

चाची : चलो, हमारे घर चलो। अंदर चलकर खेलते हैं।

(यह सुनकर सब बच्चे खुश हो गए।)

सब बच्चे : चलो, चलो। चाची के घर चलकर खेलते हैं।

(सब बच्चे चाची के घर में आ गए, अंदर चाचा और बुआ शतरंज खेल रहे थे।)

राधा : चाची! क्या खेलें?

रमेश : चाची! कोना-कोनी खेलते हैं।

कुछ बच्चे : हाँ, हाँ, कोना-कोनी का खेल खेलते हैं।

राधा : अगर गुड़िया होती तो गुड़िया से खेलते।

चाची : गुड़िया चाहिए ? अभी बना लेते हैं गुड़िया।

(चाची ने एक पुराना कपड़ा लिया और बच्चों ने चाची की मदद से गुड़िया बना ली। कुछ बच्चे लूडो खेलना चाहते थे और कुछ कैरम बोर्ड । सब अपने-अपने समूह बनाकर खेलने लगे।)

- एन०सी०ई०आर०टी०

शब्दार्थ			
बारिश -	वर्षा	**समूह -**	झुंड

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आपको कौन-सा खेल सबसे ज्यादा पसंद है?

....

(ख) खेलने के अलावा आप क्या-क्या करते हैं?

....

2. आप परिवार में किसके साथ क्या खेल खेलते हैं ?

परिवार के सदस्य	खेल का नाम
....	....
....	....

....

3. **अपनी समझ से बताइए –**

(क) चाची ने जब कित-कित खेलने के लिए पूछा तो सभी बच्चे क्यों हँसने लगे?

....

(ख) चाची इतने सारे खेल क्यों खेल पाई थीं ?

....

(ग) बच्चे तुरंत-तुरंत खेल बदल-बदल कर खेलते हैं। क्यों ?

....

(घ) राधा और रानी में कौन बड़ी बहन लगती है ? क्यों ?

....

4. **पाठ से बताइए –**

(क) बच्चों को खेलने का समय क्यों नहीं मिलता है ?

....

(ख) किस खेल के चक्कर में कौन खाना भूल जाता था ?

....

(ग) सभी बच्चे घर के भीतर क्यों आ गये ?

....

(घ) शतरंज का खेल कौन-कौन खेल रहे थे ?

....

5. **नीचे दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द बताइए –**

(क) बच्चा ....

(ख) हँसना ....

(ग) आगे ....

(घ) आना ....

(ङ) अंदर ....

(च) पुराना ....

6. पाठ में जिन-जिन खेलों के नाम आए हैं, उनके नाम तालिका में लिखें। इनमें से जो खेल घर के अंदर खेले जाते हैं, उनके सामने बनाएँ तथा घर के बाहर खेले जाने वाले खेल के सामने बनाएँ। खेल के सामने खिलाड़ियों की संख्या तथा उसे खेलने में अगर कुछ चीजों की जरूरत होती है तो उनके नाम भी लिखें।

पाठ नें आए खेलों के नाम	(/)	कितने खिलाड़ी	किन-किन चीजों की जरूरत

7. आप गेंद से खेले जाने वाले कितने खेल जानते हैं ? एक तरफ खेल के नाम तथा दूसरी तरफ उनके खिलाड़ियों के नाम लिखिए

खेल	खिलाड़ी
....	....
....	....
....	....

खेलों के नाम जातिवाचक संज्ञा तथा खिलाड़िदों के नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

8. अपने परिवार के बड़े लोगों से पता करें कि जब वे छोटे थे, तब वे कौन-कौन से खेल खेला करते थे?

परिवार के बड़े	खेल के नाम			
दादा				
दादी				
पिता				
माँ				
चाचा				
चाची				
बुआ				

9. आप अपने इलाके के किसी मशहूर खिलाड़ी तथा उनके खेल का नाम बताएँ-

....

10. क्या आप कित-कित जैसा कोई दूसरा खेल जानते हैं ? उस खेल का क्या नाम है? खेल को खेलने के लिए जमीन पर जो आकृति बनाते हैं उसे यहाँ बनाएँ -

11. पहेली बूझकर खेल का नाम बताएँ तथा चित्र से मिलाएँ-

(क) साँप काटे तो नीचे आऊँ
सीढ़ी मिले तो झट चढ़ जाऊँ। ....

(ख) बाँध गले में सूत
बिना पंख उड़ जाऊँ........................

(ग) लगा लो तुम चौके-छक्के
बना लोगे सौ रन पक्के।...................